

मुख्यतः दोहरे अंक में ऋण वृद्धि के कारण, वर्ष 2022-23 में गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के तुलन पत्र में तेज गति से विस्तार हुआ। आर्स्ति गुणवत्ता में वृद्धि, लाभप्रदता में सुधार और ऋण संवितरण में मजबूत वृद्धि के साथ आवास वित्त कंपनियों (एचएफसी) ने 2022-23 में समुत्थानशीलता प्रदर्शित की है। ऋण और अग्रिम में वृद्धि के कारण अखिल भारतीय वित्तीय संस्थाओं (एआईएफआई) के समेकित तुलन-पत्र में 2022-23 में विस्तार हुआ। स्केल आधारित विनियमन (एसबीआर) लागू करके, रिज़र्व बैंक ने एनबीएफसी क्षेत्र के विनियमन और पर्यवेक्षण को और मजबूत किया है।

## 1. परिचय

VI.1 वर्ष 2022-23 के दौरान, गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थाओं (एनबीएफआई) ने आर्स्ति गुणवत्ता में सुधार और संवर्धित पूंजी बफर के साथ तुलन-पत्र में सुदृढ़ वृद्धि का प्रदर्शन किया है। इस अध्याय में रिज़र्व बैंक द्वारा विनियमित एनबीएफआई<sup>1</sup>, जिसमें गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी), आवास वित्त कंपनियां (एचएफसी), अखिल भारतीय वित्तीय संस्थाएं (एआईएफआई) और प्राथमिक डीलर (पीडी) शामिल हैं, के परिचालन और वित्तीय कार्य-निष्पादन की समीक्षा की गई है (चार्ट VI.1)। एनबीएफसी<sup>2</sup> में सरकारी और निजी दोनों तरह की विविध संस्थाएं शामिल हैं, और माइक्रो-फाइनेंस, फैक्ट्रिंग और फिनटेक जैसी विशिष्ट गतिविधियों सहित क्रेडिट मध्यस्थता में ये महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। एचएफसी<sup>3</sup> व्यक्तियों, सहकारी समितियों और कॉरपोरेट निकायों को आवास वित्त प्रदान करती हैं। एआईएफआई यानी राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), भारतीय निर्यात-आयात बैंक (एक्जिम बैंक), भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी), राष्ट्रीय आवास बैंक

(एनएचबी) और राष्ट्रीय अवसंरचना वित्तपोषण और विकास बैंक (नैबफिड)<sup>4</sup> शीर्ष वित्तीय संस्थाएं हैं, जो क्रमशः कृषि, विदेशी व्यापार, लघु उद्योगों, आवास वित्त कंपनियों और अवसंरचना को दीर्घकालिक निधीयन प्रदान करते हैं। पीडी अन्य कार्यों के साथ-साथ, सरकारी प्रतिभूति (जी-सेक) बाजार में बाजार निर्माताओं के रूप में कार्य करते हैं।

VI.2 शेष अध्याय को चार खंडों में विभाजित किया गया है। खंड 2 में 2022-23 के दौरान एनबीएफसी और एचएफसी के विनियामकीय और तुलन-पत्र गतिविधियों के विवरण दिए गए हैं। खंड 3 और 4 में क्रमशः एआईएफआई और पीडी के कार्य-निष्पादन का आकलन, खंड 5 में निष्कर्ष टिप्पणियों का उल्लेख किया गया है।

## 2. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी)<sup>5</sup>

VI.3 एनबीएफसी भारतीय वित्तीय प्रणाली के एक अभिन्न अंग हैं। हाल के वर्षों में इन्होंने अपनी स्थिति मजबूत की है जो कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) की तुलना में ऋण प्रावधान में इनके सापेक्ष महत्व के साथ-साथ ऋण-अधिकता

<sup>1</sup> हालांकि मर्चेन्ट बैंकिंग कंपनियां, स्टॉक एक्सचेंज, स्टॉक-ब्रोकिंग/ सब-ब्रोकिंग के कारोबार में लगी कंपनियां, निधि कंपनियां, वैकल्पिक निवेश फंड कंपनियां, बीमा कंपनियां और चिट फंड कंपनियां एनबीएफसी हैं, पर उन्हें आरबीआई अधिनियम, 1934 की धारा 45-आईए के तहत रिज़र्व बैंक में पंजीकरण की आवश्यकता से छूट दी गई है।

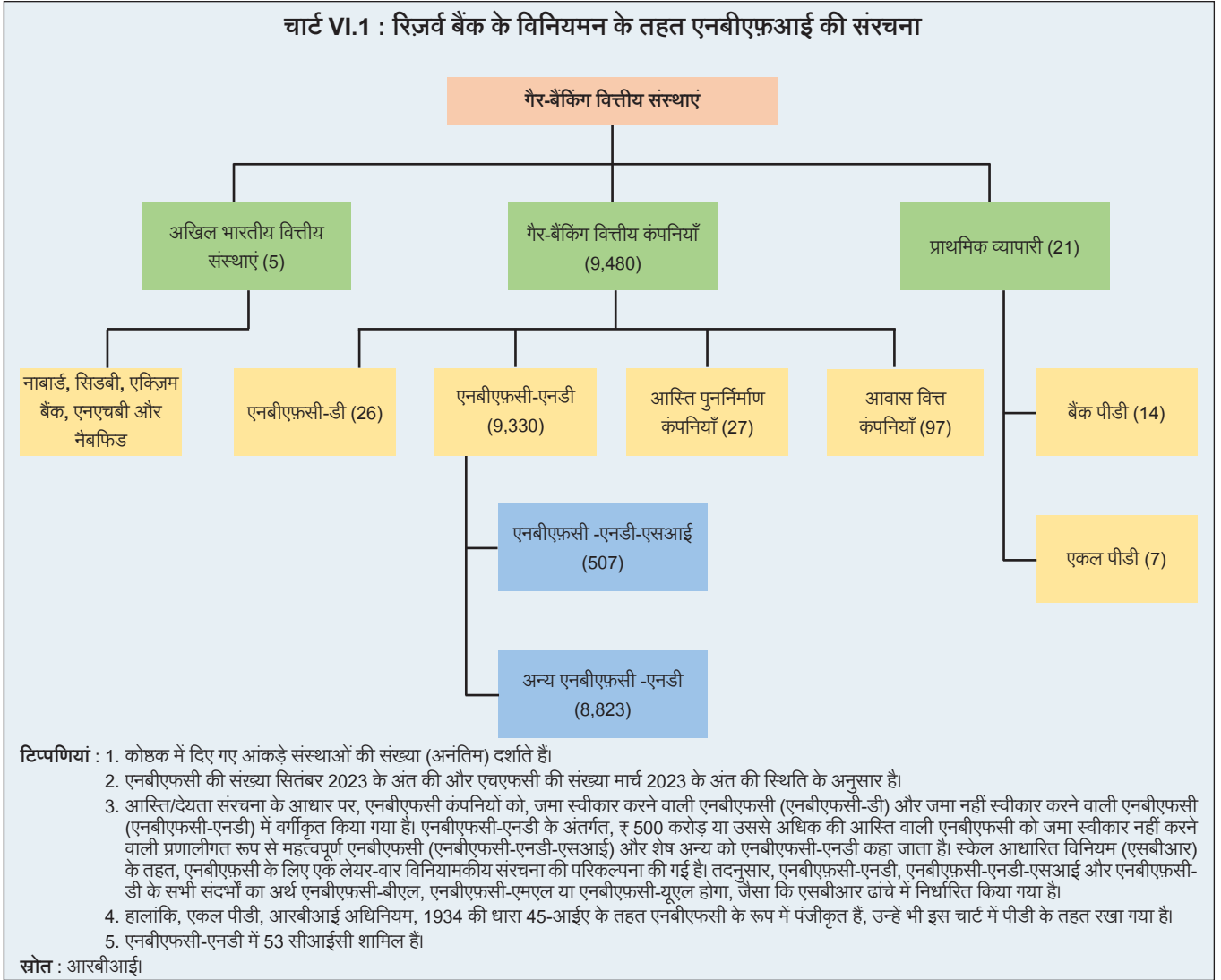
<sup>2</sup> इस अध्याय में, 'श्रेणी' शब्द का उपयोग एनबीएफसी-डी और एनबीएफसी-एनडी को संदर्भित करता है, जबकि 'वर्गीकरण' शब्द गतिविधि के अनुसार एनबीएफसी के समूह को संदर्भित करता है, यानी, एनबीएफसी-आईसीसी, एनबीएफसी-एमएफआई, एनबीएफसी-आईडीएफ आदि।

<sup>3</sup> वित्त (संख्या 2) अधिनियम, 2019 (2019 का 23) ने राष्ट्रीय आवास बैंक अधिनियम, 1987 में संशोधन किया और एचएफसी के विनियमन के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक को कुछ शक्तियाँ प्रदान कीं। अब से एचएफसी को विनियामकीय उद्देश्यों के लिए एनबीएफसी के रूप में माना जाता है।

<sup>4</sup> नैबफिड को नैबफिड अधिनियम 2021 के तहत विकास वित्तीय संस्था (डीएफआई) के रूप में स्थापित किया गया है और आरबीआई अधिनियम, 1934 की धारा 45एल और 45एन के तहत रिज़र्व बैंक द्वारा एआईएफआई के रूप में इसका विनियमन और पर्यवेक्षण किया जाएगा।

<sup>5</sup> यह खंड केवल एनबीएफसी-डी और एनबीएफसी-एनडी-एसआई पर केंद्रित है।

चार्ट VI.1 : रिज़र्व बैंक के विनियमन के तहत एनबीएफ़आई की संरचना



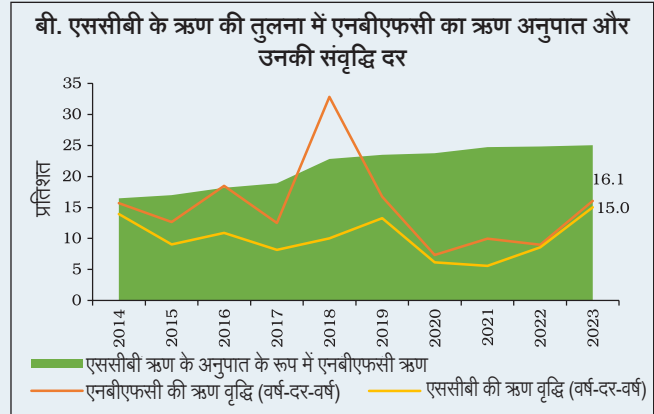
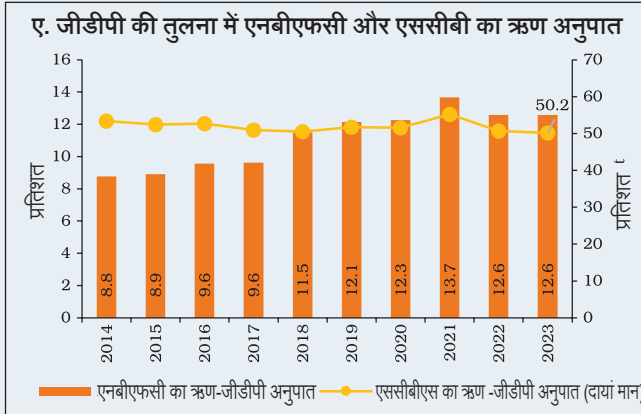
(सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के अनुपात में ऋण) में क्रमिक वृद्धि से परिलक्षित होता है (चार्ट VI.2 ए और बी)।

VI.4 अक्टूबर 2022 से स्केल आधारित विनियमन (एसबीआर) लागू होने से एनबीएफ़सी कंपनियों को उनके आकार, गतिविधि और मानित जोखिम स्तर के आधार पर चार लेयरों में विभाजित किया गया है, जिनके नाम हैं – आधार लेयर (एनबीएफ़सी - बीएल), मध्य लेयर (एनबीएफ़सी-एमएल), ऊपरी लेयर (एनबीएफ़सी-यूएल) और शीर्ष लेयर (एनबीएफ़सी-टीएल) (चार्ट VI.3)। निर्धारित मापदंडों और स्कोरिंग पद्धति के आधार

पर चिह्नित अन्य एनबीएफ़सी के साथ-साथ आस्ति आकार के अनुसार शीर्ष दस एनबीएफ़सी कंपनियों को हमेशा ऊपरी लेयर में रखा जाएगा। तदनुसार, 15 एनबीएफ़सी<sup>6</sup> कंपनियों (5 एचएफ़सी सहित) को ऊपरी लेयर में रखा गया है और उन पर विनियामकीय निगरानी बढ़ाई गई है। रिज़र्व बैंक द्वारा ऊपरी लेयर में स्थित किसी एनबीएफ़सी की संभावित प्रणालीगत जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि पाए जाने पर उसे शीर्ष लेयर में स्थानांतरित किया जाएगा, आदर्श रूप में उक्त स्थिति के आने तक शीर्ष लेयर रिक्त रहेगा।

<sup>6</sup> दिनांक 14 सितंबर 2023 की रिज़र्व बैंक की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार।

**चार्ट VI.2 : अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के ऋण और जीडीपी की तुलना में एनबीएफसी के ऋण (मार्च के अंत में)**



स्रोत : 1. भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति और प्रगति पर रिपोर्ट, विभिन्न अंक।  
2. भारतीय अर्थव्यवस्था पर सांख्यिकी पुस्तिका, विभिन्न अंक।

VI.5 जोखिम कम करने के लिए पर्याप्त पूंजी सुनिश्चित करने और आंतरिक जोखिम प्रबंधन तकनीकों को मजबूत करने हेतु बेसल-III मानदंडों के पिलर 2 के तहत वाणिज्यिक बैंकों के लिए निर्धारित आंतरिक पूंजी पर्याप्तता आकलन प्रक्रिया (आईसीएएपी) के समान ही एनबीएफसी-एमएल और एनबीएफसी - यूएल को आंतरिक पूंजी आकलन करने की

आवश्यकता है। हालांकि इसे अनिवार्य नहीं बनाया गया है, फिर भी, आंतरिक रूप से निर्धारित कार्य पद्धति के अनुसार एनबीएफसी को पूंजी का स्तर तय करने के लिए ऋण जोखिम, बाजार जोखिम, परिचालनगत जोखिम और सभी अन्य शेष जोखिमों को गणना में लेने की आवश्यकता है। किसी एक प्रतिपक्ष अथवा संबद्ध प्रतिपक्षियों के समूह के लिए एक्सपोजर जनित संकेंद्रण जोखिम सीमित करने हेतु एनबीएफसी-यूएल के लिए बृहद् एक्सपोजर फ्रेमवर्क भी नियत किया गया है। अक्टूबर 2022 से ऊपरी और मध्य लेयर में एनबीएफसी कंपनियों के लिए लागू त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई (पीसीए) फ्रेमवर्क, का विस्तार अक्टूबर 2024 से सरकारी एनबीएफसी कंपनियों (बेस लेयर में स्थित को छोड़कर) पर भी किया जाएगा। विद्यमान विनियमों में यह निर्धारित किया गया है कि जो कंपनियां एनबीएफसी गतिविधियां शुरू करना चाहती हैं उनकी निवल स्वामित्व निधि (एनओएफ)<sup>7</sup> कम से कम ₹ 10 करोड़ अवश्य होना चाहिए। विद्यमान एनबीएफसी- आईसीसी, एनबीएफसी -एमएफआई और एनबीएफसी- फैक्टर के लिए ग्लाइड-पाथ के अनुवर्तन में मार्च 2027 तक एनओएफ आवश्यकताएं ₹ 10 करोड़ तक बढ़ा दी जाएंगी। स्केल के अलावा, नए विनियामकीय फ्रेमवर्क में गतिविधि आधारित विनियम बने रहेंगे (सारणी VI.1)।

**चार्ट VI.3: एनबीएफसी के लिए स्केल आधारित विनियमन**



टिप्पणियां : 1. एनबीएफसी-डी, सीआईसी, एनबीएफसी-आईएफसी तथा एचएफसी को मध्य अथवा ऊपरी लेयर में शामिल किया जाएगा।  
2. शेष एनबीएफसी, अर्थात्, एनबीएफसी-आईसीसी, एनबीएफसी-एमएफआई, एनबीएफसी-फैक्टर और एनबीएफसी-एमजीसी, एसबीआर के मापदंडों के आधार पर किसी भी लेयर में हो सकती हैं।  
3. सरकारी स्वामित्व वाली एनबीएफसी को आधार लेयर या मध्य लेयर, जैसी भी स्थिति हो, में रखा जाएगा।

स्रोत : आरबीआई।

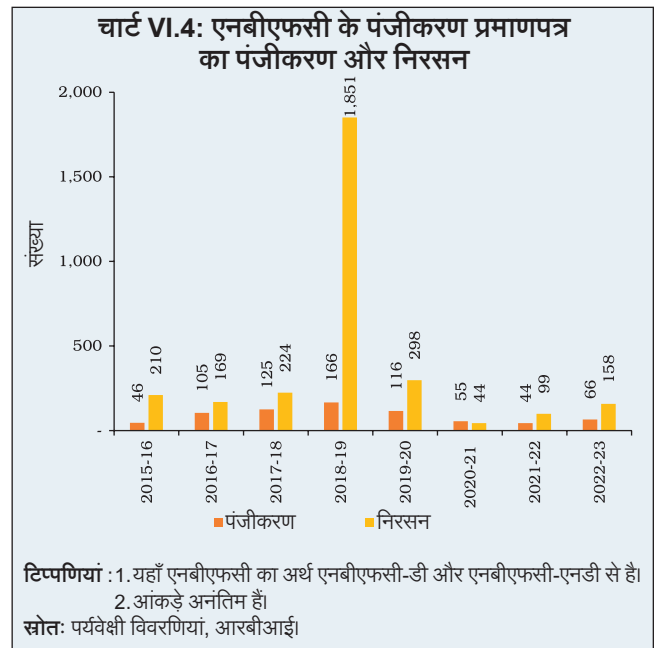
<sup>7</sup> एनबीएफसी-पी2पी, एनबीएफसी-एए और सार्वजनिक निधि और ग्राहक इंटरफेस नहीं रखने वाली एनबीएफसी आदि के लिए एनओएफ ₹ 2 करोड़ बना हुआ है। इसके अलावा, आईडीएफ, आईएफसी, एमजीसी, एचएफसी और एसपीडी के लिए मौजूदा विनियामकीय न्यूनतम एनओएफ में कोई बदलाव नहीं है।

**सारणी VI.1 : नए विनियामकीय ढांचे के तहत गतिविधि के अनुसार एनबीएफसी का वर्गीकरण**

वर्गीकरण	गतिविधि	लेयर
1	2	3
1. निवेश और क्रेडिट कंपनी (एनबीएफसी-आईसीसी)	उधार जो उत्पादक/आर्थिक गतिविधियों और निवेश के लिए प्रतिभूतियों के अधिग्रहण में सहायक है।	स्केल आधारित विनियामकीय ढांचे के मापदंडों के आधार पर कोई भी लेयर।
2. एनबीएफसी-इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी (एनबीएफसी-आईएफसी)	अवसंरचना ऋण।	मध्य लेयर या ऊपरी लेयर, जैसी भी स्थिति हो।
3. कोर निवेश कंपनी (सीआईसी)	इक्विटी शेयरों, अधिमान शेयरों, कर्ज, या समूह कंपनियों के ऋणों में निवेश।	मध्य लेयर या ऊपरी लेयर, जैसी भी स्थिति हो।
4. एनबीएफसी-इंफ्रास्ट्रक्चर कर्ज निधि (एनबीएफसी-आईडीएफ)	कम से कम एक वर्ष के संतोषजनक प्रदर्शन को पूरा करने वाली केवल अवसंरचना परियोजनाओं में सार्वजनिक निजी भागीदारी और परिचालन आरंभ होने के पश्चात लंबी अवधि के ऋण के प्रवाह की सुविधा।	मध्य लेयर।
5. एनबीएफसी-माइक्रो फाइनेंस इंस्टीट्यूशन (एनबीएफसी-एमएफआई)	आर्थिक रूप से वंचित समूहों को संपार्श्विक मुक्त छोटे टिकट के ऋण प्रदान करना।	स्केल आधारित विनियामकीय ढांचे के मापदंडों के आधार पर कोई भी लेयर।
6. एनबीएफसी-फैक्टर्स	एक समनुदेशक की प्राप्य राशियों का अधिग्रहण या प्राप्य राशियों के प्रतिभूति ब्याज पर सस्ता ऋण देना।	स्केल आधारित विनियामकीय ढांचे के मापदंडों के आधार पर कोई भी लेयर।
7. एनबीएफसी-परचालनेतर वित्तीय धारक कंपनी (एनबीएफसी-एनओएफएचसी)	नए बैंकों की स्थापना में प्रवर्तकों/प्रवर्तक समूहों को सुविधा।	आधार लेयर।
8. बंधक गारंटी कंपनी (एमजीसी)	बंधक गारंटी व्यवसाय का उपक्रम।	स्केल आधारित विनियामकीय ढांचे के मापदंडों के आधार पर कोई भी लेयर।
9. एनबीएफसी-अकाउंट एग्रीगेटर (एनबीएफसी-एए)	ग्राहक द्वारा निर्दिष्ट किए जाने पर ग्राहक अथवा अन्यो के लिए किसी ग्राहक की वित्तीय आस्तियों के बारे में समेकित, व्यवस्थित तथा पुनः प्राप्त कर पाने योग्य जानकारी इकट्ठा करना और उसे उपलब्ध कराना।	आधार लेयर।
10. एनबीएफसी-पीयर टू पीयर लेंडिंग प्लेटफॉर्म (एनबीएफसी-पी2पी)	धन जुटाने में मदद करने के लिए उधारदाताओं और उधारकर्ताओं को एक साथ लाने के लिए एक ऑनलाइन मंच प्रदान करना।	आधार लेयर।
11. आवास वित्त कंपनी (एचएफसी)	आवासीय रिहाइश इकाइयों की खरीद/निर्माण/पुनर्निर्माण/नवीनीकरण/मरम्मत के लिए वित्तपोषण।	मध्य लेयर या ऊपरी लेयर, जैसी भी स्थिति हो।

**टिप्पणियाँ:** 1. एकल प्राथमिक व्यापारी (एसपीडी) मध्य लेयर में स्थित हैं।  
 2. सरकारी एनबीएफसी या तो आधार या मध्य लेयर में स्थित हैं।  
**स्रोत :** आरबीआई।

VI.6 वर्ष 2022-23 में एनबीएफसी के पंजीकरण प्रमाणपत्र (सीओआर) के पंजीकरण और निरसन की संख्या बढ़ी है (चार्ट VI.4)। रिजर्व बैंक द्वारा सीओआर निरस्त किए जाने के अलावा, कई एनबीएफसी ने व्यावसायिक कारणों या अन्य कारणों से अपने लाइसेंस लौटा (सरेंडर) दिए हैं। कुछ एनबीएफसी कंपनियों द्वारा आउटसोर्सिंग और उचित व्यवहार संहिता (एफपीसी) पर मौजूदा विनियमों और दिशानिर्देशों के उल्लंघन के कारण वर्ष 2021-22 में उनके लाइसेंस निरस्त कर दिए गए। अन्य पक्ष की अनियंत्रित भागीदारी, गलत बिक्री, डेटा गोपनीयता का उल्लंघन, अनुचित व्यापार आचरण, अत्यधिक ब्याज दरें वसूलना और अनैतिक वसूली कार्यप्रणाली से संबंधित सरोकारों को दूर करने के लिए, डिजिटल ऋण पद्धतियों के माध्यम से ऋण वितरण के व्यवस्थित विकास का समर्थन करने के लिए सितंबर 2022 में रिजर्व बैंक ने डिजिटल ऋण पर दिशानिर्देश जारी किए।



## 2.1 स्वामित्व का स्वरूप

VI.7 एनबीएफसी क्षेत्र में जमा स्वीकार नहीं करने वाली प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण एनबीएफसी (एनबीएफसी-एनडी-एसआई) का वर्चस्व है, जिनकी मार्च 2023 के अंत में क्षेत्र की कुल आस्तियों में 85.4 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। इस श्रेणी में मुख्य रूप से गैर-सरकारी कंपनियाँ शामिल हैं, हालाँकि आस्तियों में कुछ बड़ी सरकारी कंपनियों की उल्लेखनीय हिस्सेदारी है (सारणी VI.2)।

VI.8 मार्च 2023 के अंत में एनबीएफसी की कुल आस्तियों का 14.6 प्रतिशत हिस्सेदारी जमा स्वीकारने वाली एनबीएफसी (एनबीएफसी-डी) की थी। एनबीएफसी-डी की कुल आस्तियों में लगभग 88 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ गैर-सरकारी पब्लिक लिमिटेड कंपनियों का इस श्रेणी में वर्चस्व है (सारणी VI.2)। एनबीएफसी-डी द्वारा स्वीकृत जमाराशियों का बीमा, निक्षेप बीमा और प्रत्यय गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) द्वारा नहीं किया जाता है इसलिए रिज़र्व बैंक ने सतर्क दृष्टिकोण अपनाया है जिसके तहत यह कहा गया कि केवल निवेश ग्रेड एनबीएफसी-डी को ही अपने एनओएफ के 1.5 गुना की सीमा तक और अधिकतम 12.5 प्रतिशत की ब्याज दर से केवल 12 से 60 महीने की समय-सीमा के लिए, जनता से सावधि जमा स्वीकार करनी चाहिए। मई 2022 में यह अनिवार्य किया गया कि जमा स्वीकार कर रही एनबीएफसी कंपनियों के पास सेबी पंजीकृत किसी क्रेडिट रेटिंग एजेंसी से न्यूनतम 'बीबीबी-' स्तर की निवेश ग्रेड क्रेडिट रेटिंग होनी चाहिए।

## 2.2 तुलन-पत्र

VI.9 वर्ष 2022-23 में एनबीएफसी के तुलन-पत्र में विस्तार की गति तेज हो गई (सारणी VI.3)। मुख्यतः गैर-जमानती ऋणों के कारण इसमें दोहरे अंकों की ऋण वृद्धि हुई। निवेश में वृद्धि धीमी हो गई जबकि नकदी और बैंक शेष में कमी आई है। ऋण मांग में वृद्धि को पूरा करने के लिए एनबीएफसी ने अपनी पूंजी स्थिति में सुधार किया। चलनिधि की सख्त स्थिति तथा वाहन और सोने के बदले ऋण जैसे क्षेत्रों में बैंकों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच, एनबीएफसी कंपनियों ने गैर-जमानती ऋण, सूक्ष्म-वित्त ऋण और एमएसएमई क्षेत्रों को ऋण देने की ओर रुख किया है। गैर-जमानती ऋण की वृद्धि (28.1 प्रतिशत), जमानती ऋण (11.5 प्रतिशत) की तुलना में दोगुनी से भी अधिक थी। परिणामस्वरूप, कुल एनबीएफसी क्रेडिट में जमानती ऋण की हिस्सेदारी मार्च 2022 के अंत में 72.4 प्रतिशत से गिरकर मार्च 2023 के अंत में 69.5 प्रतिशत हो गई, जबकि इसी अवधि में गैर-जमानती ऋण की हिस्सेदारी 27.6 प्रतिशत से बढ़कर 30.5 प्रतिशत हो गई। एनबीएफसी-एनडी-एसआई के विपरीत एनबीएफसी-डी के ऋण पोर्टफोलियो में जमानती ऋणों की हिस्सेदारी अपेक्षाकृत अधिक है (चार्ट VI.5)। सितंबर 2023 के अंत में ऋण वृद्धि में और तेजी आई, जबकि निवेश में गिरावट देखी गई (परिशिष्ट सारणी VI.1, VI.2 और VI.3)।

VI.10 परिपक्वता-वार, एनबीएफसी द्वारा दिए जाने वाले ऋणों में अल्पावधि (12 महीने के भीतर प्राप्य) ऋणों की ओर

### सारणी VI.2: एनबीएफसी का स्वामित्व स्वरूप (मार्च 2023 के अंत में)

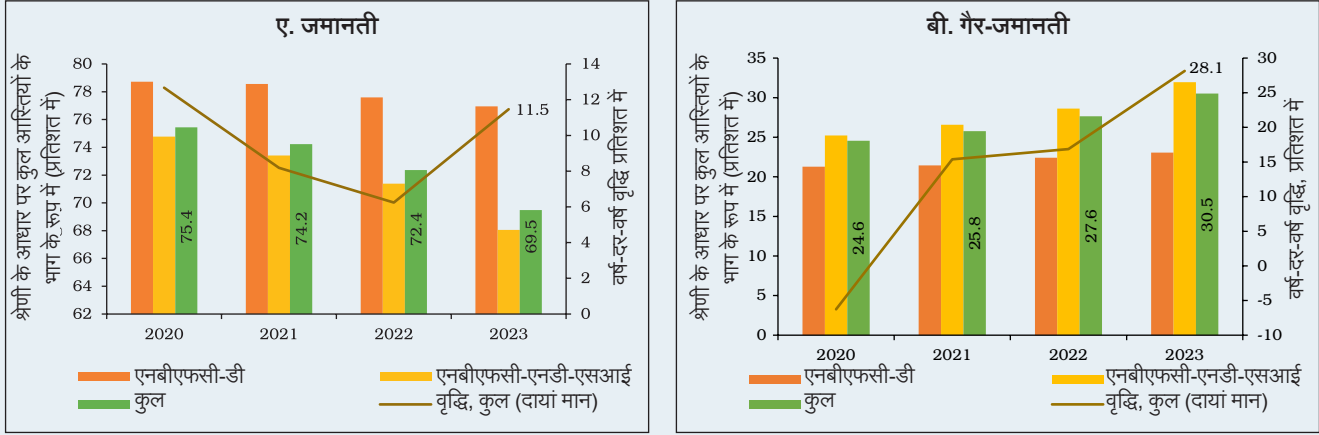
(राशि ₹ करोड़ में)

प्रकार	एनबीएफसी-एनडी-एसआई			एनबीएफसी-डी		
	संख्या	आस्तिक का आकार	आस्तिक हिस्सेदारी प्रतिशत में	संख्या	आस्तिक का आकार	आस्तिक हिस्सेदारी प्रतिशत में
1	2	3	4	5	6	7
क. सरकारी कंपनियाँ	19	16,66,326	43.0	5	74,335	11.2
ख. गैर-सरकारी कंपनियाँ (1+2)	473	22,09,876	57.0	31	5,86,602	88.8
1. पब्लिक लिमिटेड कंपनियाँ	54	5,12,337	13.2	10	5,81,466	88.0
2. प्राइवेट लिमिटेड कंपनियाँ	419	16,97,539	43.8	21	5,136	0.8
<b>कुल (ए+बी)</b>	<b>492</b>	<b>38,76,202</b>	<b>100.0</b>	<b>36</b>	<b>6,60,937</b>	<b>100.0</b>

टिप्पणियाँ: 1. मार्च 2023 के अंत तक भारतीय रिज़र्व बैंक के साथ पंजीकृत एनबीएफसी-डी की संख्या 39 थी। सारणी में दिए गए आंकड़े रिपोर्टिंग संस्थाओं से संबंधित हैं।  
2. आंकड़े अनंतिम हैं।

स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणियाँ, आरबीआई।

**चार्ट VI.5: एनबीएफसी के ऋणों और अग्रिमों की प्रकृति, श्रेणीवार**  
(मार्च के अंत में)



टिप्पणी: आंकड़े अनंतिम हैं।  
स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई

क्रमिक परिवर्तन हुआ है। हालांकि दीर्घावधि (12 महीनों के बाद प्राप्य) ऋणों की हिस्सेदारी कम हुई है, फिर भी इस श्रेणी का वर्चस्व (ऋण बही का दो तिहाई से अधिक) बना रहा (चार्ट

VI.6)। एनबीएफसी का सर्वाधिक एक्सपोजर कॉरपोरेट को है, उसके बाद खुदरा ग्राहकों का स्थान आता है, ये दोनों मिलकर उनकी ऋण बही का लगभग 69 प्रतिशत हैं (चार्ट VI.6)। वर्ष

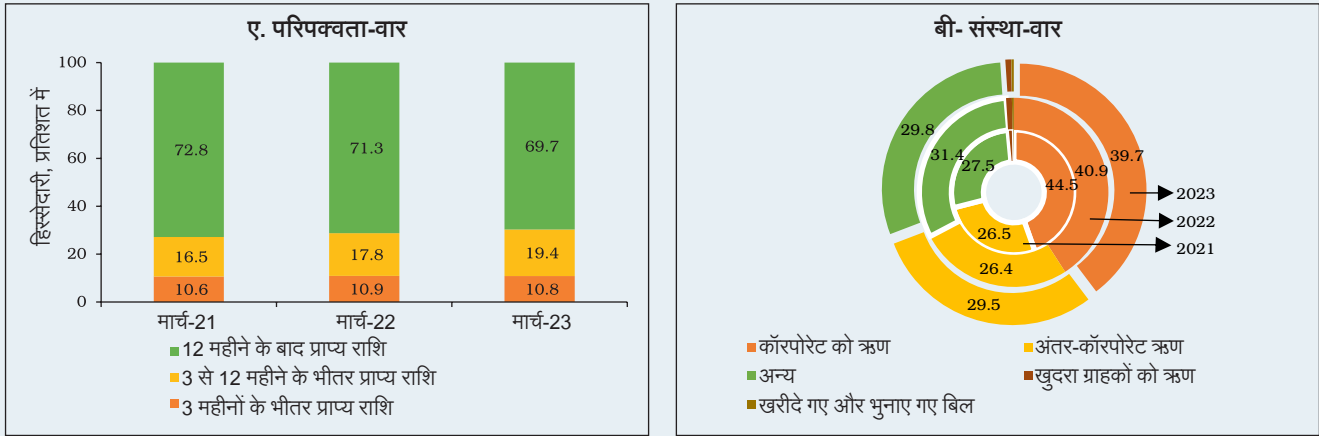
**सारणी VI.3: एनबीएफसी का संक्षिप्त तुलन-पत्र**

(राशि ₹ करोड़ में)

मदें	मार्च 2022 के अंत में			मार्च 2023 के अंत में			सितंबर 2023 के अंत में			
	एनबीएफसी	एनबीएफसी-एनडी-एसआई	एनबीएफसी-डी	एनबीएफसी	एनबीएफसी-एनडी-एसआई	एनबीएफसी-डी	एनबीएफसी	एनबीएफसी-एनडी-एसआई	एनबीएफसी-डी	
	1	2 (3+4)	3	4	5 (6+7)	6	7	8 (9+10)	9	10
1. शेयर पूंजी और आरक्षित निधियां	9,77,245 (19.3)	8,65,235 (20.5)	1,12,011 (10.6)	11,06,643 (13.2)	9,70,241 (12.1)	1,36,402 (21.8)	10,72,556 (3.6)	9,32,744 (1.8)	1,39,812 (17.0)	
2. जनता की जमाराशि	70,539 (13.3)	-	70,539 (13.3)	85,254 (20.9)	0	85,254 (20.9)	96,156 (23.2)	-	96,156 (23.2)	
3. डिबेंचर	10,14,611 (3.3)	9,05,609 (2.4)	1,09,003 (11.3)	11,10,234 (9.4)	9,93,194 (9.7)	1,17,039 (7.4)	11,45,536 (10.6)	10,22,363 (10.6)	1,23,173 (10.6)	
4. बैंक उधार	9,20,555 (18.8)	8,00,735 (21.2)	1,19,820 (4.6)	11,33,221 (23.1)	10,01,960 (25.1)	1,31,260 (9.5)	11,97,626 (22.3)	10,50,013 (25.1)	1,47,612 (5.5)	
5. वाणिज्यिक पत्र	70,266 (-3.2)	62,366 (-2.7)	7,899 (-7.3)	84,366 (20.1)	67,778 (8.7)	16,589 (110.0)	1,14,109 (47.1)	85,671 (36.5)	28,438 (92.4)	
6. अन्य	8,99,347 (10.1)	7,63,893 (11.8)	1,35,453 (1.4)	10,17,422 (13.1)	8,43,029 (10.4)	1,74,393 (28.7)	10,84,158 (13.4)	9,02,478 (10.7)	1,81,680 (29.1)	
<b>कुल देयताएं / आस्तियां</b>	<b>39,52,564 (12.0)</b>	<b>33,97,838 (12.9)</b>	<b>5,54,726 (7.0)</b>	<b>45,37,139 (14.8)</b>	<b>38,76,202 (14.1)</b>	<b>6,60,937 (19.1)</b>	<b>47,10,141 (13.2)</b>	<b>39,93,270 (12.2)</b>	<b>7,16,871 (18.6)</b>	
1. ऋण और अग्रिम	29,52,442 (9.0)	24,88,611 (9.0)	4,63,831 (8.9)	34,26,970 (16.1)	28,74,066 (15.5)	5,52,904 (19.2)	36,93,921 (20.0)	30,73,905 (19.3)	6,20,016 (23.6)	
2. निवेश	5,88,527 (27.2)	5,42,574 (30.4)	45,953 (-1.4)	6,57,723 (11.8)	5,97,851 (10.2)	59,872 (30.3)	5,79,903 (-8.3)	5,26,114 (-8.9)	53,790 (-1.6)	
3. नकद और बैंक शेष	1,79,031 (12.6)	1,46,282 (17.4)	32,750 (-4.7)	1,74,972 (-2.3)	1,45,649 (-0.4)	29,323 (-10.5)	1,86,057 (-2.0)	1,63,093 (3.4)	22,964 (-28.5)	
4. अन्य आस्तियाँ	2,32,564 (17.6)	2,20,371 (18.3)	12,192 (7.1)	2,77,474 (19.3)	2,58,637 (17.4)	18,838 (54.5)	2,50,260 (-4.2)	2,30,158 (-6.1)	20,102 (25.8)	

टिप्पणियां: 1. आंकड़े अनंतिम हैं।  
2. कोष्ठक में दिए गए आंकड़े वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि को प्रतिशत में दर्शाते हैं।  
स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई

**चार्ट VI.6 एनबीएफसी के ऋण और अग्रिम (मार्च के अंत में)**



**टिप्पणी:** आंकड़े अनंतिम हैं।  
**स्रोत:** पर्यवेक्षी विवरणियाँ, आरबीआई

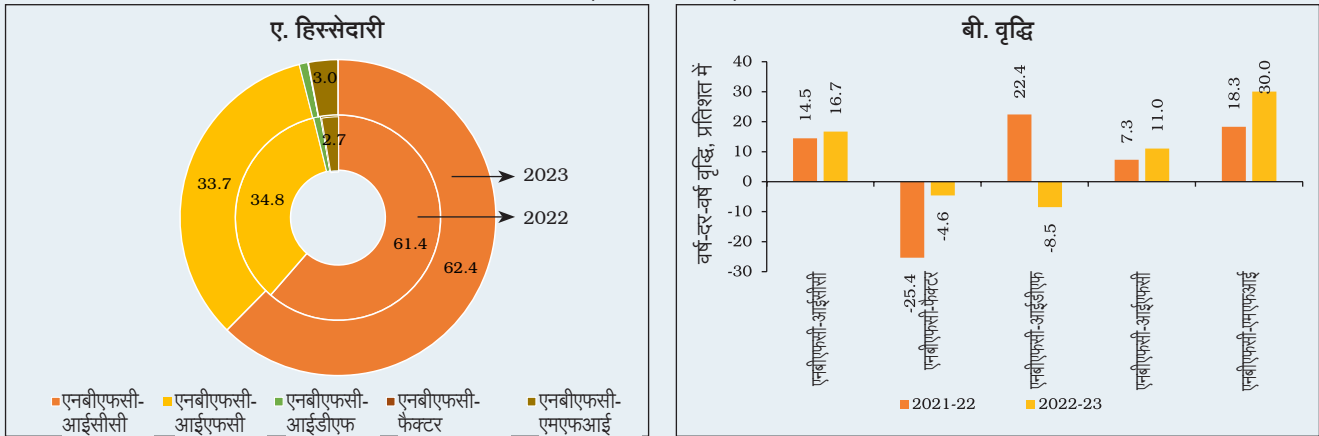
2022-23 में कॉर्पोरेट ऋणों की तुलना में खुदरा ऋण दोगुनी तेजी से बढ़े हैं।

VI.11 मार्च 2023 के अंत में समग्र रूप से इस क्षेत्र की आस्तियों में एनबीएफसी-आईसीसी और आईएफसी की हिस्सेदारी 95 प्रतिशत से अधिक रही (चार्ट VI.7 ए)। आईसीसी मुख्य रूप से खुदरा क्षेत्र में काम करती हैं, जबकि आईएफसी बुनियादी संरचना से संबंधित ऋण प्रदान करती हैं। कुछ बड़ी सरकारी एनबीएफसी, एनबीएफसी-आईएफसी के रूप में पंजीकृत हैं और बुनियादी संरचना के क्षेत्र में काम करती हैं। वर्ष 2022-23 में विद्युत क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने वाली दो सरकारी आईएफसी

में उच्च ऋण वृद्धि देखी गई। सरकार के पंचामृत कार्यक्रम के अनुरूप, जिसका लक्ष्य वर्ष 2030 तक 500 गीगावॉट की गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता निर्माण करना है, आने वाले वर्षों में उनके नवीकरणीय पोर्टफोलियो को बढ़ावा मिलने की प्रत्याशा है। विद्युत मंत्रालय ने इन एनबीएफसी को गैर-विद्युत बुनियादी संरचना और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को ऋण देने की भी अनुमति दी है।

VI.12 एनबीएफसी क्षेत्र में एनबीएफसी-एमएफआई महत्वपूर्ण भाग है, जो हाल के वर्षों में कुल आस्तियों में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा रहा है। वर्ष 2022-23 में, एमएफआई ने आस्तियों में सबसे

**चार्ट VI.7: वर्गीकरण के अनुसार एनबीएफसी की कुल आस्तियां (मार्च के अंत में)**



**टिप्पणी:** आंकड़े अनंतिम हैं।  
**स्रोत:** पर्यवेक्षी विवरणियाँ, आरबीआई

**सारणी VI .4 : वर्गीकरण के अनुसार एनबीएफसी की देयताओं और आस्तियों के प्रमुख घटक**

(₹ करोड़ में राशि)

देयताएं	मार्च 2022 के अंत में		मार्च 2023 के अंत में		सितंबर 2023 के अंत में		प्रतिशत घट-बढ़	
	उधारियां	कुल देयताएं	उधारियां	कुल देयताएं	उधारियां	कुल देयताएं	उधारियां	
							मार्च 2021 की तुलना में (मार्च 2022 में)	मार्च 2022 की तुलना में (मार्च 2023 में)
1	2	3	4	5	6	7	8	9
एनबीएफसी-आईसीसी	13,61,713	24,26,544	16,28,268	28,31,352	17,38,838	29,08,844	12	19.6
एनबीएफसी-फैक्टर	1,477	2,895	1,361	2,762	1,231	2,253	-19.7	-7.8
एनबीएफसी-आईडीएफ	34,641	42,644	31,985	39,023	37,157	44,755	21.8	-7.7
एनबीएफसी-आईएफसी	11,10,763	13,75,340	12,39,073	15,27,270	12,91,860	16,18,457	6.6	11.6
एनबीएफसी-एमएफआई	75,907	1,05,142	1,01,552	1,36,731	1,00,873	1,35,831	20	33.8
<b>कुल</b>	<b>25,84,500</b>	<b>39,52,564</b>	<b>30,02,239</b>	<b>45,37,139</b>	<b>32,71,313</b>	<b>52,82,134</b>	<b>9.9</b>	<b>16.2</b>
देयताएं	ऋण और अग्रिम		ऋण और अग्रिम		ऋण और अग्रिम		ऋण और अग्रिम	
		कुल आस्तियां		कुल आस्तियां		कुल आस्तियां	मार्च 2021 की तुलना में (मार्च 2022 में)	मार्च 2022 की तुलना में (मार्च 2023 में)
एनबीएफसी-आईसीसी	15,91,476	24,26,544	18,97,266	28,31,352	20,60,590	29,08,844	10.7	19.2
एनबीएफसी-फैक्टर	2,296	2,895	2,116	2,762	1,800	2,253	-22.5	-7.8
एनबीएफसी-आईडीएफ	34,475	42,644	36,506	39,023	42,589	44,755	13.4	5.9
एनबीएफसी-आईएफसी	12,41,520	13,75,340	13,78,969	15,27,270	14,78,976	16,18,457	6.2	11.1
एनबीएफसी-एमएफआई	82,676	1,05,142	1,12,113	1,36,731	1,09,966	1,35,831	20.1	35.6
<b>कुल</b>	<b>29,52,442</b>	<b>39,52,564</b>	<b>34,26,970</b>	<b>45,37,139</b>	<b>37,28,780</b>	<b>52,82,134</b>	<b>9.0</b>	<b>16.1</b>

टिप्पणी : आँकड़े अनंतिम हैं।

स्रोत : पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

अधिक वृद्धि (30.0 प्रतिशत) दर्ज की, इसके बाद आईसीसी (16.7 प्रतिशत) का स्थान रहा। हालाँकि, एक वर्ष पूर्व में मजबूत गति से बढ़ने के बाद आईडीएफ की आस्तियां वर्ष 2022-23 में कम हुईं (चार्ट VI.7बी)। एनबीएफसी-फैक्टर ने 2022-23 में ऋण में कमी दर्ज की है (सारणी VI.4)।

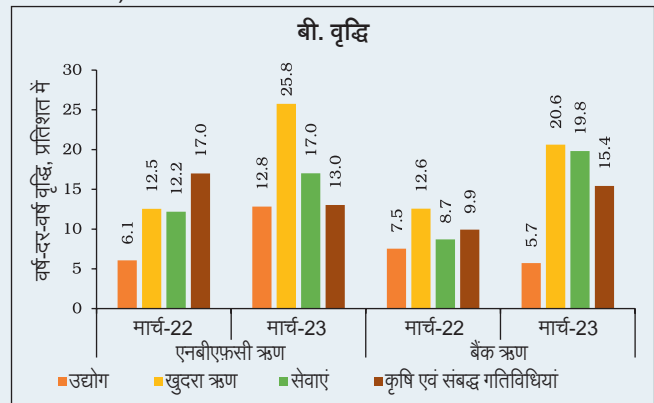
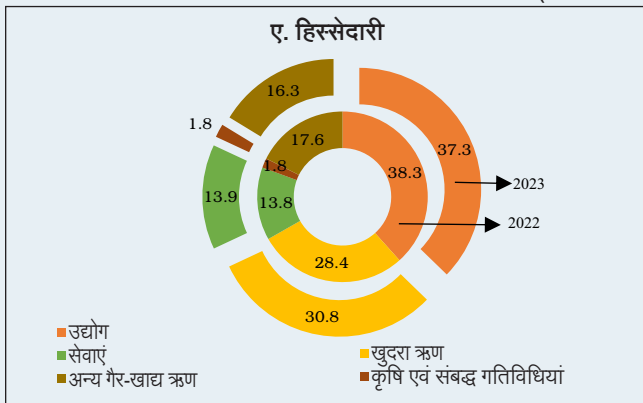
**2.3 एनबीएफसी का क्षेत्रवार ऋण**

VI.13 एनबीएफसी ऋण के क्षेत्रीय वितरण में, सरकारी बड़ी एनबीएफसी कंपनियों द्वारा आधारभूत संरचना को दिए गए ऋण

के कारण मार्च 2023 के अंत में कुल ऋण पोर्टफोलियो में उद्योग की हिस्सेदारी लगभग 2/5 भाग रही, इसके बाद लगभग 31 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ खुदरा ऋण दूसरे स्थान पर रहा (चार्ट VI.8ए)। वर्ष 2022-23 में, एनबीएफसी द्वारा उद्योग को दिए गए ऋण में वृद्धि (12.8 प्रतिशत), बैंकिंग प्रणाली द्वारा दिए गए ऋण में वृद्धि (5.7 प्रतिशत) से अधिक रही। एनबीएफसी और बैंकों दोनों द्वारा खुदरा क्षेत्र को दिया गया ऋण 20 प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़ा। एनबीएफसी द्वारा सेवा क्षेत्र को दिया

**चार्ट VI.8 : एनबीएफसी ऋण का वितरण**

(मार्च अंत तक की स्थिति)

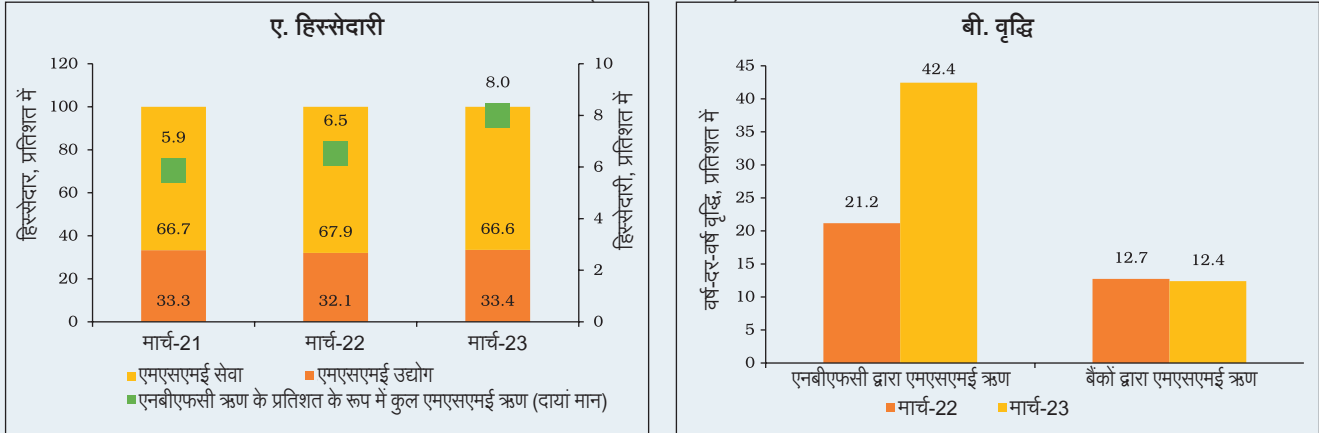


टिप्पणी : आँकड़े अनंतिम हैं।

स्रोत : 1. भारतीय अर्थव्यवस्था पर सांख्यिकी पुस्तिका, आरबीआई।  
2. पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।



**चार्ट VI.9: एमएसएमई क्षेत्र को एनबीएफसी का ऋण**  
(मार्च के अंत में)



**टिप्पणी:** आंकड़े अनंतिम हैं।  
**स्रोत:** पर्यवेक्षी विवरणियाँ, आरबीआई

जाने वाला ऋण मजबूत दर से बढ़ा, हालांकि बैंकों की तुलना में यह थोड़ा कम रहा (चार्ट VI.8बी)।

VI.14 एनबीएफसी ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) से संबंधित अपने पोर्टफोलियो का लगातार विस्तार किया है, जिससे क्षेत्र की ऋण जरूरतों को पूरा किया जा सके तथा समग्र वित्तीय समावेशन और आर्थिक संवृद्धि में योगदान दिया जा सके। सेवा क्षेत्र से जुड़ी एमएसएमई कंपनियाँ, इस क्षेत्र को एनबीएफसी ऋण की प्रमुख हिस्सेदारी में योगदान करती हैं (चार्ट VI.9ए)। एमएसएमई क्षेत्र को एनबीएफसी द्वारा दिए गए ऋण में वृद्धि, बैंकों की तुलना में तीन गुने से अधिक

थी, जो उनके द्वारा प्रस्तावित अनुकूलित वित्त समाधान प्रदान करने की उनकी क्षमता से लाभान्वित हुई (चार्ट VI.9 बी)। प्राथमिक क्षेत्र के लिए सह-उधार फ्रेमवर्क ने एनबीएफसी द्वारा एमएसएमई क्षेत्र को ऋण के प्रवाह की सुविधा भी प्रदान की है, जिसे बैंकों की कम लागत वाली निधियों और एनबीएफसी की व्यापक पहुंच का लाभ मिला है।

VI.15 वर्ष 2022-23 में, कोविड-19 महामारी की चुनौतियों से उबरने के बाद, वाहन खंड को एनबीएफसी का ऋण दोहरे अंकों में बढ़ा है (चार्ट VI.10)।

**चार्ट VI.10 : वाहन ऋण- एनबीएफसी बनाम एससीबी**

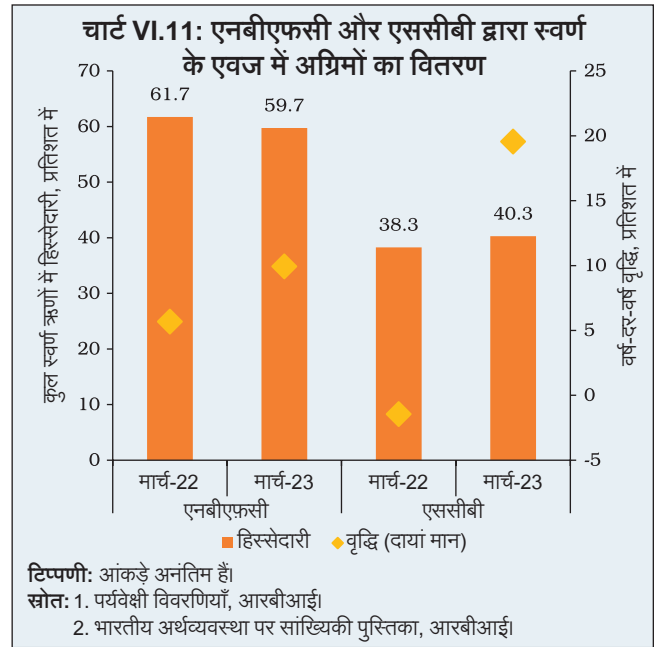


**टिप्पणी:** आंकड़े अनंतिम हैं।  
**स्रोत:** 1. पर्यवेक्षी विवरणियाँ, आरबीआई  
2. भारतीय अर्थव्यवस्था पर सांख्यिकी पुस्तिका, आरबीआई।  
3. सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम)।

VI.16 स्वर्ण ऋण में बैंकों से कम वृद्धि होने के बावजूद एनबीएफसी इस खंड में प्रमुख ऋणदाता बनी हुई हैं (चार्ट VI.11)। इस क्षेत्र में भी, सह-उधार के तालमेल का लाभ लेने के लिए बैंक और एनबीएफसी तेजी से एक-दूसरे के साथ साझेदारी कर रहे हैं।

VI.17 वर्ष 2022-23 में एनबीएफसी ऋण के विस्तार में परिवहन ऑपरेटर्स और खुदरा व्यापार द्वारा संचालित सेवा क्षेत्र की प्रमुख भूमिका रही (परिशिष्ट VI.4)। कृषि और संबद्ध गतिविधियों को दिए गए ऋण में भी लगातार वृद्धि हुई (सारणी VI.5)। सितंबर 2023 के अंत में प्रमुख क्षेत्रों में ऋण वृद्धि वर्ष-दर-वर्ष आधार पर दोहरे अंकों में रही।

VI.18 एनबीएफसी की विभिन्न वर्गीकरणों में, आईसीसी के उधार पोर्टफोलियो में खुदरा ऋण की अधिकता है, जबकि

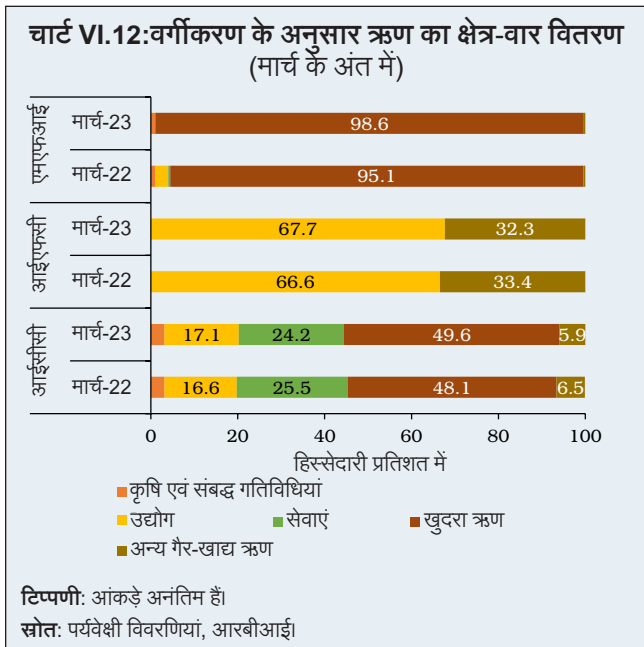


**सारणी VI.5: एनबीएफसी द्वारा क्षेत्र-वार ऋण विनियोजन**

(राशि करोड़ ₹ में)

मर्दाने	मार्च 2022 के अंत में	मार्च 2023 के अंत में	सितंबर 2023 के अंत में	प्रतिशत घट-बढ़	
				2021-22	2022-23
1	2	3	4	5	6
<b>I. सकल अग्रिम (II + III)</b>	<b>29,52,442</b>	<b>34,26,970</b>	<b>36,93,921</b>	<b>9.0</b>	<b>16.1</b>
<b>II. खाद्य ऋण</b>	<b>1,739</b>	-	-	-	-
<b>III. गैर-खाद्य ऋण (1 to 5)</b>	<b>29,50,703</b>	<b>34,26,970</b>	<b>36,93,921</b>	<b>8.9</b>	<b>16.1</b>
<b>1. कृषि और संबद्ध गतिविधियां</b>	<b>53,759</b>	<b>60,760</b>	<b>70,603</b>	<b>17.0</b>	<b>13.0</b>
<b>2. उद्योग (2.1 to 2.4)</b>	<b>11,31,558</b>	<b>12,76,666</b>	<b>13,45,347</b>	<b>6.1</b>	<b>12.8</b>
2.1 सूक्ष्म और लघु	44,329	71,638	83,879	16.5	61.6
2.2 मध्यम	17,411	20,068	18,546	16.7	15.3
2.3 बड़ा	8,94,541	10,20,441	10,98,821	4.6	14.1
2.4 अन्य	1,75,277	1,64,519	1,44,101	10.2	-6.1
<b>3. सेवाएं जिसमें</b>	<b>4,07,367</b>	<b>4,76,728</b>	<b>4,90,536</b>	<b>12.2</b>	<b>17.0</b>
3.1 खुदरा व्यापार	41,190	59,470	68,001	52.5	44.4
3.2 वाणिज्यिक स्थावर संपदा	87,566	84,666	83,325	6.8	-3.3
<b>4. खुदरा ऋण (4.1 to 4.10)</b>	<b>8,38,528</b>	<b>10,54,530</b>	<b>11,96,757</b>	<b>12.5</b>	<b>25.8</b>
4.1 आवास ऋण (प्राथमिकता-प्राप्त क्षेत्र के आवास सहित)	23,280	32,425	39,223	8.9	39.3
4.2 टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुएं	24,789	31,543	38,484	33.9	27.2
4.3 क्रेडिट कार्ड प्राप्य	32,710	44,007	49,231	25.8	34.5
4.4 वाहन/ ऑटो ऋण	3,35,460	3,84,475	4,33,653	5.2	14.6
4.5 शिक्षा ऋण	14,162	25,352	36,330	52.7	79.0
4.6 सावधि जमा के एवज में अग्रिम (एफसीएनआर(बी), आदि सहित)	43	215	247	37.0	406.9
4.7 व्यक्तियों को शेयर, बॉण्डों आदि की जमानत पर अग्रिम	13,023	14,053	18,532	56.8	7.9
4.8 व्यक्तियों को स्वर्ण के बदले अग्रिम	1,19,311	1,31,165	1,40,901	5.7	9.9
4.9 सूक्ष्म वित्त ऋण/ एसएचजी ऋण	81,599	1,18,752	1,16,908	22.6	45.5
4.10 अन्य खुदरा ऋण	1,94,153	2,72,543	3,23,248	19.0	40.4
<b>5. अन्य गैर-खाद्य ऋण</b>	<b>5,19,491</b>	<b>5,58,287</b>	<b>5,90,677</b>	<b>6.4</b>	<b>7.5</b>

टिप्पणी: आंकड़े अनंतिम हैं।  
 स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणियाँ, आरबीआई।



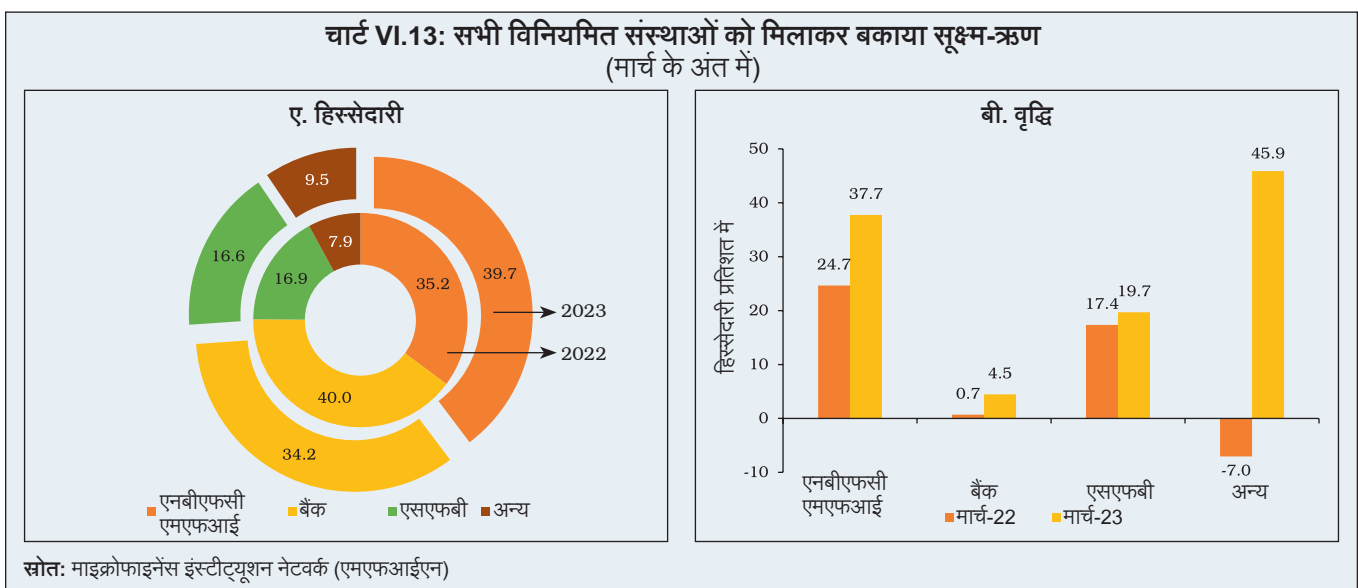
एनबीएफसी-एमएफआई सेवा वंचित और अल्प सेवा प्राप्त समूहों को छोटे, संपार्श्विक-मुक्त ऋण के अग्रणी प्रदाता हैं, जिनके पास पारंपरिक वित्तीय सेवाओं तक बहुत कम या कोई पहुंच नहीं है। इसके विपरीत, आईएफसी मुख्य रूप से उद्योग के बुनियादी ढांचे के क्षेत्र, अधिकांशतः विद्युत और रेलवे को उधार देते हैं (चार्ट VI.12)।

VI.19 2022-23 में, एनबीएफसी-एमएफआई ने माइक्रो-क्रेडिट संवितरण में बैंकों को पीछे छोड़ दिया, जो अन्य बातों के साथ-साथ, विनियामकीय परिवर्तनों द्वारा सहायता प्राप्त करते हुए सूक्ष्म वित्त क्षेत्र में लगभग 40 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ ऋण के सबसे बड़े प्रदाता के रूप में उभरे (चार्ट VI.13)।

#### 2.4 संसाधन जुटाना

VI.20 एनबीएफसी अपने परिचालन के वित्तपोषण के लिए मुख्य रूप से बाजारों और बैंकों से उधार पर निर्भर हैं। मार्च 2023 के अंत में, बैंक उधारियों ने एनबीएफसी के लिए निधियों के सबसे बड़े स्रोत के रूप में डिबेंचर को विस्थापित कर दिया (सारणी VI.6)। सितंबर 2023 के अंत में बैंकों से उधार ने उच्च वृद्धि का प्रदर्शन करना जारी रखा। एनबीएफसी की उधारी का करीब दो तिहाई हिस्सा 12 महीने से अधिक समय में देय है। मार्च 2023 के अंत में, अल्पकालिक उधारों जो तीन महीने या उससे कम समय में देय हैं, में मामूली वृद्धि हुई (चार्ट VI.14)।

VI.21 निजी एनबीएफसी द्वारा जारी 80 प्रतिशत से अधिक अपरिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) को या तो एए या एए रेटिंग दी गई थी। 2022-23 में एनसीडी निर्गमन में वृद्धि हुई (चार्ट VI.15ए)। 2023-24 की पहली तिमाही में, कुल निर्गत एनसीडी



**सारणी VI.6: एनबीएफसी के उधार के स्रोत**

(राशि करोड़ ₹ में)

मदें	मार्च 2022 के अंत में	मार्च 2023 के अंत में	सितंबर 2023 के अंत में	प्रतिशत घट-बढ़	
				2021-22	2022-23
1	2	3	4	5	6
1. डिबेंचर	10,14,611 (39.3)	11,10,234 (37.0)	11,45,536 (36.1)	3.3	9.4
2. बैंक उधार	9,20,555 (35.6)	11,33,221 (37.7)	11,97,626 (37.8)	18.8	23.1
3. एफआई से उधार	69,078 (2.7)	89,982 (3.0)	99,844 (3.1)	21.3	30.3
4. अंतर कॉर्पोरेट उधार	89,896 (3.5)	1,05,184 (3.5)	1,04,148 (3.3)	15.5	17.0
5. वाणिज्यिक पत्र	70,266 (2.7)	84,366 (2.8)	1,14,109 (3.6)	-3.2	20.1
6. सरकार से उधार	18,562 (0.7)	18,750 (0.6)	18,758 (0.6)	-3.0	1.0
7. गौण कर्ज	72,349 (2.8)	72,510 (2.4)	68,285 (2.2)	4.5	0.2
8. अन्य उधार	3,29,182 (12.7)	3,87,991 (12.9)	4,21,653 (13.3)	10.6	17.9
<b>9. कुल उधार</b>	<b>25,84,500</b>	<b>30,02,239</b>	<b>31,69,959</b>	<b>9.9</b>	<b>16.2</b>

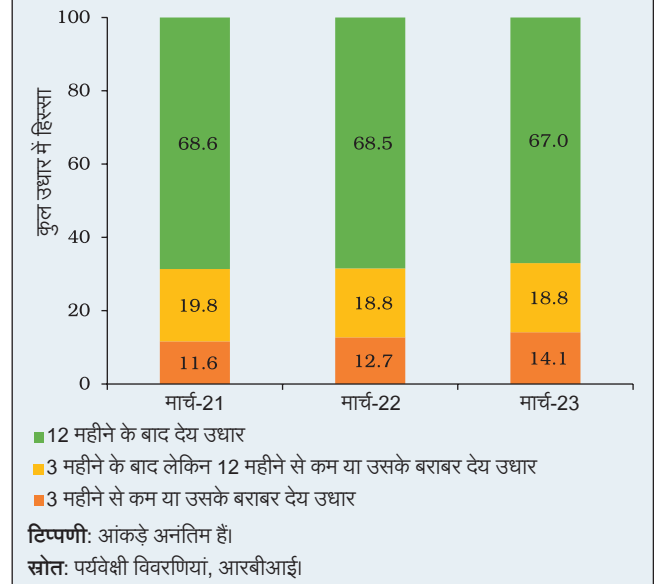
टिप्पणियां: 1. आंकड़े अनंतिम हैं।

2. कोष्ठक में दिए गए आंकड़े कुल उधारी में हिस्सा दर्शाते हैं।

स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।

में 2-3 साल की परिपक्वताकाल के एनसीडी की हिस्सेदारी लगभग 50 प्रतिशत थी, जबकि लंबे परिपक्वताकाल (10 साल से अधिक) की हिस्सेदारी लगभग 20 प्रतिशत थी (चार्ट VI.15बी)।

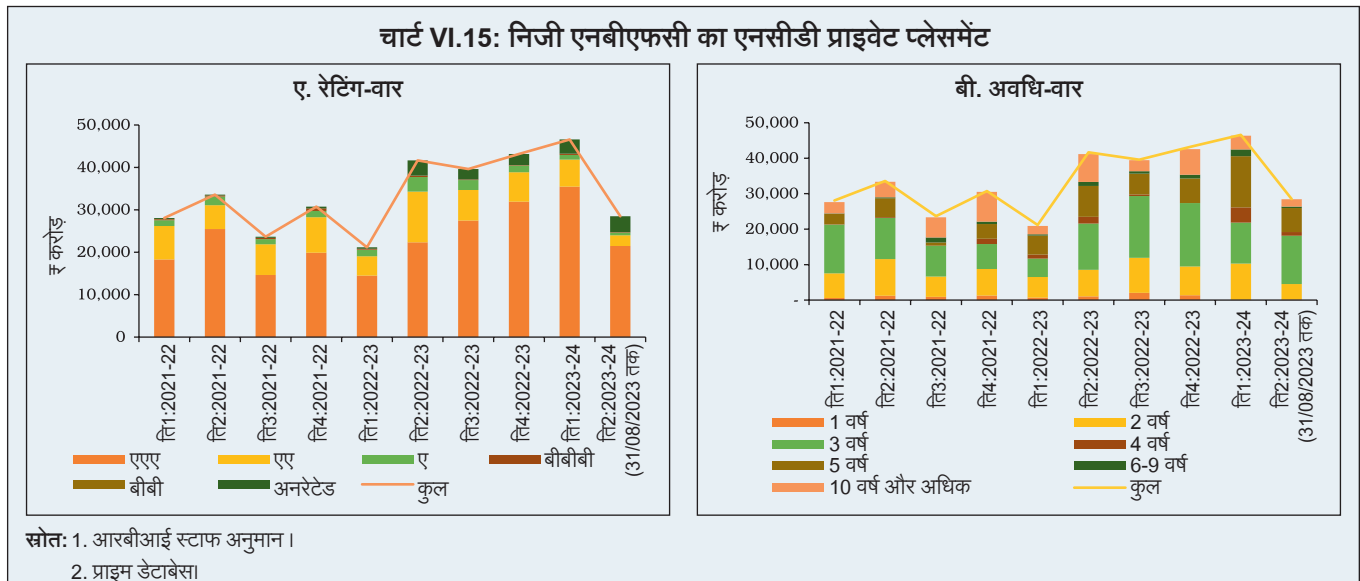
**चार्ट VI.14: एनबीएफसी के उधारियों की चुकौती**



VI.22 एनबीएफसी द्वारा जारी किए गए बॉण्ड पर स्प्रेड, पूर्व-महामारी अवधि में अपने स्तर से नीचे रहा, जो गतिविधि और बाजार विश्वास में सुधार को दर्शाता है (चार्ट VI.16ए और बी)।

VI.23 निधीयन की आवश्यकताओं के लिए बैंकों पर एनबीएफसी की बढ़ती निर्भरता को देखते हुए हाल के वर्षों में बैंकों के साथ एनबीएफसी का अंतर्संबंध बढ़ा है (बॉक्स VI.1)।

**चार्ट VI.15: निजी एनबीएफसी का एनसीडी प्राइवेट प्लेसमेंट**



चार्ट VI.16: एनबीएफसी बॉण्ड का प्रतिफल: समकक्ष परिपक्वता अवधि के जी-सेक पर स्प्रेड



## 2.5 एनबीएफसी-डी: जमा

VI.24 प्रतिस्पर्धी ब्याज दरों के ऑफर और मजबूत क्रेडिट रेटिंग के कारण एनबीएफसी-डी की कुल उधारी में जनता की

जमाराशियों का हिस्सा लगातार बढ़ा है। तथापि, जमा स्वीकार करने के लिए अनुमत एनबीएफसी की संख्या कम हो रही है (चार्ट VI.17ए)। मार्च 2023 के अंत में, चार एनबीएफसी-डी

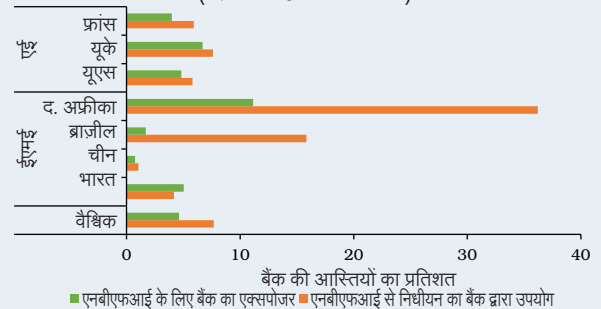
### बॉक्स VI.1. भारत में बैंकों के साथ एनबीएफसी के बढ़ते अंतर्संबंध

एनबीएफसी में हुई वृद्धि बैंकों सहित अन्य एफआई के साथ इसके बढ़ते अंतर्संबंध से जुड़ी हुई है। अधिशेष बचत को ऋण की कमी वाले क्षेत्रों में स्थानांतरित करने की अनुमति के साथ बढ़ते अंतर्संबंध दबाव की अवधि के दौरान प्रणालीगत जोखिमों को भी बढ़ा सकते हैं। प्रत्यक्ष अंतर्संबंध तब होता है जब दो संस्थाएं कर्ज लिखतों, शेयरों या अन्य संविदात्मक संबंधों के माध्यम से प्रत्यक्ष प्रतिपक्षकार होती हैं। अप्रत्यक्ष अंतर्संबंध तब उत्पन्न हो सकता है जब वित्तीय संस्थान कुछ क्षेत्रों, बाजारों या लिखतों या एक ही संपार्श्विक शृंखलाओं, एक ही कॉर्पोरेट समूहों के एक हिस्से में समान एक्सपोजर रखते हैं, या सहायक कंपनियों या इसी तरह की संस्थाओं को प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता के कारण प्रतिष्ठा जोखिम के संपर्क में आते हैं (जोस अलोन्सो, 2019)।

एक ओर जहां आंकड़ों की सीमाओं के कारण अप्रत्यक्ष अंतर्संबंध सुनिश्चित करना मुश्किल है, वहीं दूसरी ओर एफएसबी (वित्तीय स्थिरता बोर्ड, 2022) बैंकों और एनबीएफआई के बीच प्रत्यक्ष अंतर्संबंध का एक इंटरटेम्पोरल क्रॉस-कंट्री परिप्रेक्ष्य प्रदान करता है<sup>8</sup> इस संबंध में दो पहलू सामने आते हैं। पहला, बैंक एनबीएफआई से विश्व स्तर पर निवल उधारकर्ता बने हुए हैं। दूसरा, उनके

बीच अंतर्संबंध लगातार कम हो रहा है। हालांकि, भारत के लिए स्थिति बिल्कुल विपरीत है, जहां बैंक एनबीएफआई के लिए निवल ऋणदाता हैं (चार्ट VI.1.1)। इसके अलावा, उनके बीच अंतर्संबंध बढ़ गया है। भारत में मुख्य अंतर्संबंध, बैंकों और अन्य वित्तीय मध्यस्थों (ओएफआई) के बीच है<sup>9</sup> ओएफआई के

चार्ट VI.1.1: एनबीएफआई से बैंक का एक्सपोजर और निधीयन (दिसंबर 2021 के अंत में)

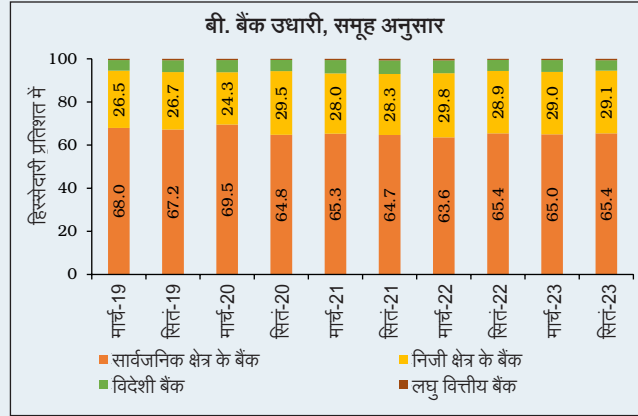
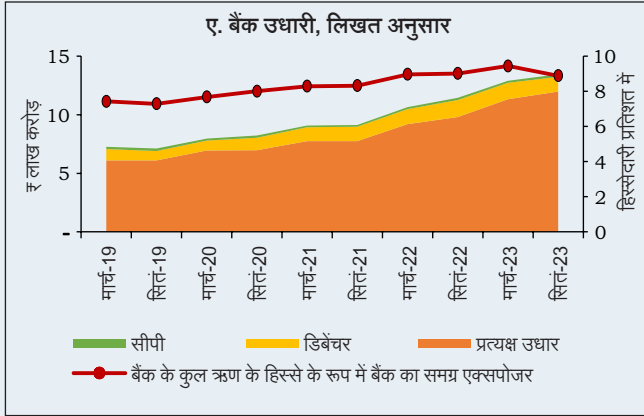


बैंक की आस्तियों का प्रतिशत  
 ■ एनबीएफआई के लिए बैंक का एक्सपोजर ■ एनबीएफआई से निधीयन का बैंक द्वारा उपयोग  
 टिप्पणी: ग्लोबल 21 व्यक्तिगत गैर-यूरो क्षेत्र क्षेत्राधिकार और 19 सदस्यीय यूरो क्षेत्र के समूह को संदर्भित करता है।  
 स्रोत: वित्तीय स्थिरता बोर्ड द्वारा प्रकाशित गैर-बैंक वित्तीय मध्यस्थता, 2022 पर वैश्विक निगरानी रिपोर्ट से गणना की गई।

(जारी)

<sup>8</sup> एनबीएफआई एक व्यापक शब्द है जिसमें बीमा निगम, पेंशन निधियां, अन्य वित्तीय मध्यस्थ और वित्तीय सहायक शामिल हैं।

चार्ट VI.1.2: एनबीएफसी को बैंक द्वारा उधार



स्रोत: 1. पर्यवेक्षी विवरणियां।

2. भारतीय अर्थव्यवस्था पर सांख्यिकी पुस्तिका, आरबीआई।

भीतर, बैंकों का एक्सपोजर वित्त कंपनियों (मुख्य रूप से एनबीएफसी और एचएफसी) में केंद्रित है, जो दिसंबर 2021 के अंत में एनबीएफआई में बैंकों के एक्सपोजर का लगभग 89 प्रतिशत है। वे वित्तीय प्रणाली के सबसे बड़े उधारकर्ता भी हैं (आरबीआई, 2023ए)।

बैंकों से अधिक उधार लेने के कारण भारत में बैंकों के साथ एनबीएफसी का प्रत्यक्ष अंतर्संबंध बढ़ रहा है (चार्ट VI.1.2ए)। एनबीएफसी में बैंकों का एक्सपोजर मुख्य रूप से प्रत्यक्ष ऋण (मार्च 2023 के अंत में इस क्षेत्र में उनके एक्सपोजर का लगभग 88 प्रतिशत) के माध्यम से है। वे एनबीएफसी द्वारा जारी डिबेंचर और वाणिज्यिक पत्रों में भी अभिदान करते हैं। बैंक-समूह-वार, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, एनबीएफसी के सबसे बड़े ऋणदाता बने हुए हैं, हालांकि इसमें निजी क्षेत्र के बैंकों में की हिस्सेदारी बढ़ने से, उनकी हिस्सेदारी घट रही है (चार्ट VI.1.2बी)।

लगभग 90 प्रतिशत बैंक ऋण ए और उससे ऊपर की रेटिंग वाली एनबीएफसी को दिया जाता है, (आरबीआई, 2023 बी)। एसबीआर के कार्यान्वयन ने आकार, गतिविधि और जोखिम के आधार पर मजबूत विनियामकीय अन्वेषण प्रस्तुत किया है। इसके अलावा, रिजर्व बैंक ने उन सभी मामलों में एससीबी

द्वारा एनबीएफसी को दिए गए ऋणों पर जोखिम भार में 25 प्रतिशत अंक (दी गई बाहरी रेटिंग से जुड़े जोखिम भार के ऊपर) की वृद्धि की, जहां एनबीएफसी की बाहरी रेटिंग के अनुसार मौजूदा जोखिम भार 100 प्रतिशत से कम है। यह वृद्धि 16 नवंबर 2023 से प्रभावी हुई। आने वाले समय में एनबीएफसी को विविधता लाने और अपनी निधीयन संबंधी आवश्यकताओं के लिए बैंकों से परे देखने की जरूरत है।

**संदर्भ**

वित्तीय स्थिरता बोर्ड (2022), ग्लोबल मॉनिटरिंग रिपोर्ट ऑन नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल इंटरमीडिएशन।

जोस अलोनसो, पी. एस. (2019), "फाइनेंशियल सिस्टम इंटरकनेक्टेडनेस"। फाइनेंशियल स्टेबिलिटी रिव्यू, अंक 37, 181।

आरबीआई (2023ए), वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट, अंक 27।

आरबीआई (2023बी), "इंडियाज फाइनेंशियल सेक्टर - फ्रॉम एक्स्युबेरेंस टू रेजिलिएन्स", डॉ. माइकल देवब्रत पात्र, उप गवर्नर, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 16वें एसईएफसीईएन-बीआईएस के उच्च स्तरीय सेमिनार में दिया गया भाषण।

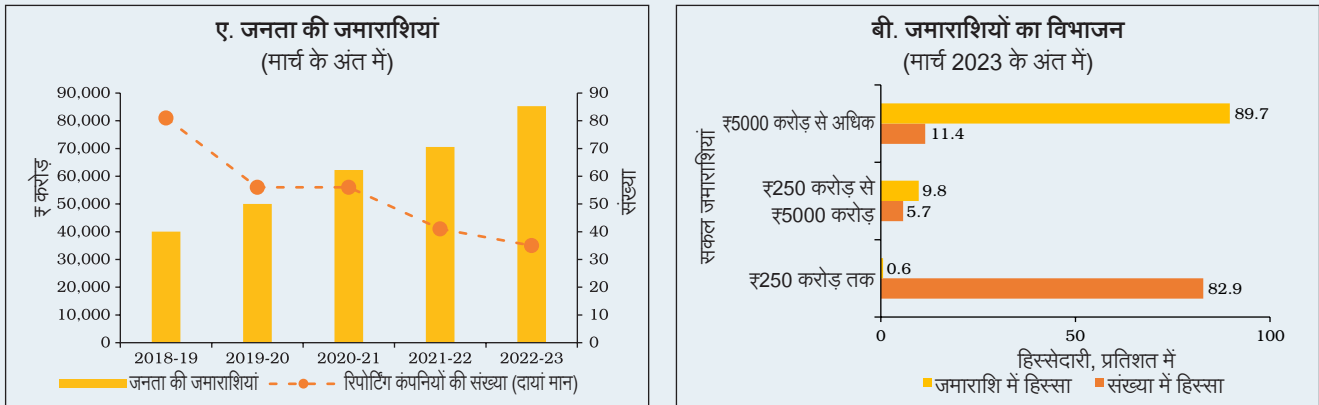
के पास एनबीएफसी की जनता की जमाराशियों की आधारभूत निधि का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा था, जिनमें से प्रत्येक के पास ₹5,000 करोड़ से अधिक की कुल जमाराशि थी (चार्ट VI.17बी)।

**2.6 ऋण बिक्री और प्रतिभूतीकरण**

VI.25 ऋण देने वाले संस्थाओं द्वारा चलनिधि प्रबंधन, अपने एक्सपोजर या योजनाबद्ध बिक्री को पुनः संतुलित करने जैसे कारणों के लिए ऋण बिक्री का सहारा लिया जाता है। 2022-23 में, मुख्य रूप से एक एनबीएफसी के कारण, ऋण की बिक्री

9 ओएफआई में मुद्रा बाजार निधियां, बचाव निधियां, अन्य निवेश निधियां, आबद्ध वित्तीय संस्थान और धन उधारदाता, केंद्रीय प्रतिपक्षकार, ब्रोकर-व्यापारी, वित्त कंपनियां, ट्रस्ट कंपनियां और संरचित वित्त माध्यम शामिल हैं।

चार्ट VI.17: एनबीएफसी - डी में जनता की जमाराशियां



**टिप्पणियां:** 1. एनबीएफसी-डी को उनकी कुल जनता की जमाराशियों के आकार के आधार पर अलग-अलग बकेट में वर्गीकृत किया गया है। किसी भी एनबीएफसी-डी के पास ₹250-500 करोड़ और ₹500-1,000 करोड़ रुपये के बकेट में जमाराशियां नहीं थीं।  
2. आंकड़े अनंतिम हैं।  
**स्रोत:** पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई

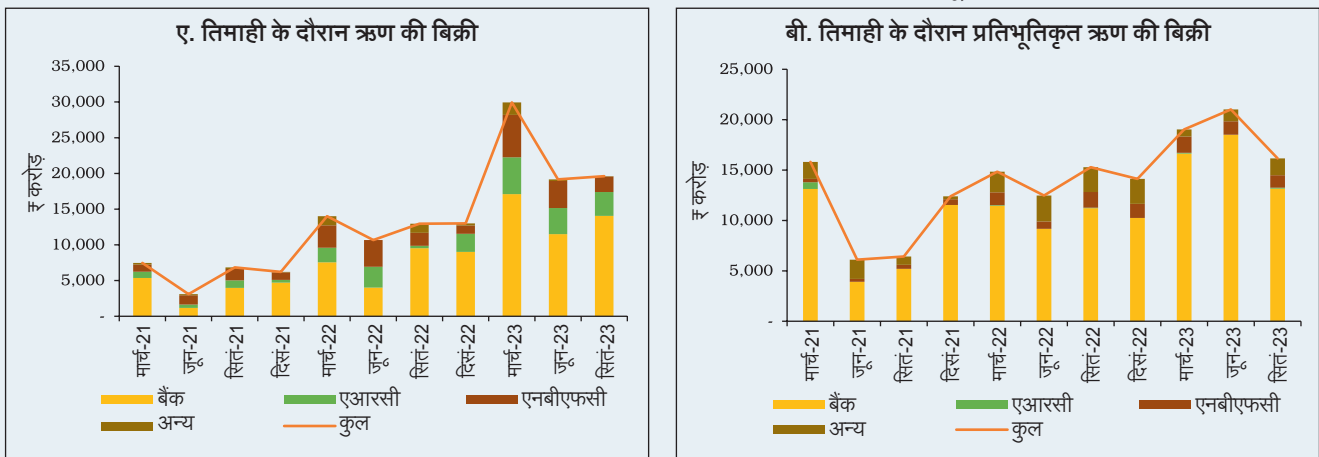
तेजी से बढ़ी (चार्ट VI.18ए)। प्रतिभूतीकरण में, एफआई अपनी आस्तियों को एक विशेष प्रयोजन इकाई को बेचता है जो ऋण प्रतिभूतियां जारी करके अधिग्रहण को निधि देता है। यह वित्तीय संस्थाओं द्वारा उनकी जोखिम क्षमता के अनुरूप ऋण जोखिम के प्रभावी वितरण की अनुमति देता है। प्रतिभूतीकरण एनबीएफसी के लिए निधीयन के एक प्रमुख स्रोत के रूप में उभरा है और

यह मार्च 2023 में पूर्व-कोविड स्तरों को पार कर गया है (चार्ट VI.18बी)। उपर्युक्त दोनों खंडों में बैंक प्रमुख भागीदार रहे हैं।

### 2.7 एनबीएफसी की आस्ति देयता प्रोफाइल

VI.26 चलनिधि जोखिम प्रबंधन<sup>10</sup> के लिए 1-30/31 दिनों की बकेट में अल्पकालिक संरचित चलनिधि स्थिति महत्वपूर्ण है। एनबीएफसी ने मार्च 2023 के अंत में इस बकेट में पर्याप्त

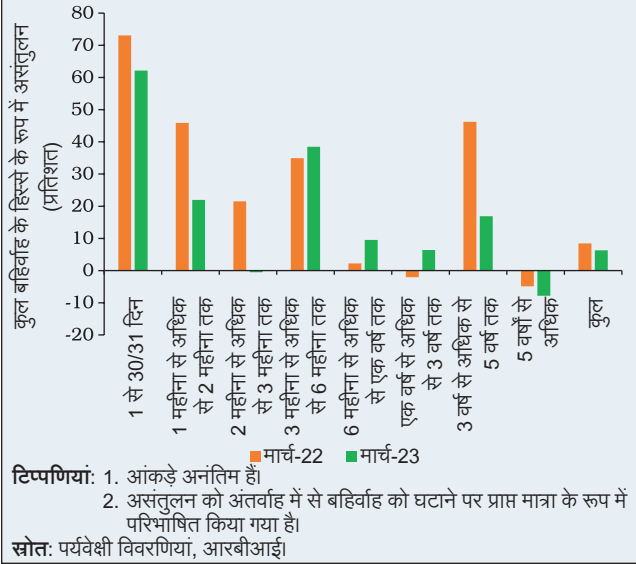
चार्ट VI.18: एनबीएफसी-एनडी-एसआई की ऋण बिक्री और प्रतिभूतीकरण



**टिप्पणी:** आंकड़े अनंतिम हैं।  
**स्रोत:** पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई

<sup>10</sup> संरचनात्मक चलनिधि स्थिति विभिन्न समय बकेट में, अंतर्वाह में से बहिर्वाह को घटाकर प्राप्त की जाती है। एक सकारात्मक असंतुलन पर्याप्त संरचनात्मक चलनिधि स्थिति को दर्शाता है, जिसे या तो संबंधित समय बकेट की नकदी अंतर्वाह में वृद्धि या नकदी बहिर्वाह में कमी के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है, जबकि एक नकारात्मक असंतुलन संबंधित समय बकेट की नकदी बहिर्वाह के सापेक्ष नकदी अंतर्वाह की कमी की ओर इशारा करता है।

**चार्ट VI.19: एनबीएफसी का संरचनात्मक चलनिधि विवरण (मार्च के अंत में)**



चलनिधि स्थिति बनाए रखी, हालांकि यह स्थिति एक साल पहले की तुलना में निचले स्तर पर रही। इसके अलावा, मार्च 2023 के अंत में 2-3 माह और पांच साल से अधिक की अवधि को छोड़कर, एनबीएफसी की भी सभी बकेट में निवल स्थिति सकारात्मक थी (चार्ट VI.19)।

## 2.8 एनबीएफसी का वित्तीय प्रदर्शन

VI.27 एनबीएफसी की कुल आय 2022-23 में तेजी से बढ़ी जिसका मुख्य कारण ब्याज आय रही। भले ही शुल्कगत आय का हिस्सा हाल के वर्षों में धीरे-धीरे बढ़ा है, 2022-23 में एनबीएफसी की कुल आय का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा निधि-आधारित संसाधनों से था। व्यय, ब्याज खर्च (2022-23 के दौरान उनके कुल व्यय का लगभग एक तिहाई) और परिचालन लागत (कुल का लगभग एक-चौथाई) से प्रेरित था (परिशिष्ट VI.5 और VI.6)। दूसरी ओर, एनपीए के लिए सुस्थापित प्रावधानों में वर्ष के दौरान कमी आई। कुल आय की तुलना में व्यय धीमी गति से बढ़ने के साथ, एनबीएफसी के निवल लाभ में काफी वृद्धि हुई। लागत आय अनुपात में गिरावट आई, जो परिचालन दक्षता में सुधार का संकेत देता है। 2023-24 की पहली छमाही में निवल लाभ वृद्धि मजबूत रही (सारणी VI.7)।

VI.28 वर्ष 2022-23 के दौरान प्रमुख लाभप्रदता संकेतकों अर्थात् आस्तियों पर प्रतिलाभ (आरओए), इक्विटी पर प्रतिलाभ (आरओई) और निवल ब्याज मार्जिन (एनआईएम) में सुधार हुआ

## सारणी VI.7: एनबीएफसी क्षेत्र के वित्तीय मानदंड

(राशि ₹ करोड़ में)

मदें	2021-22			2022-23			2023-24 की पहली छमाही		
	एनबीएफसी-एनडी-एसआई	एनबीएफसी-डी	एनबीएफसी-डी	एनबीएफसी-एनडी-एसआई	एनबीएफसी-डी	एनबीएफसी-डी	एनबीएफसी-एनडी-एसआई	एनबीएफसी-डी	एनबीएफसी-डी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
ए. आय	3,91,017 (8.5)	3,17,992 (9.7)	73,025 (3.8)	4,75,216 (21.5)	3,88,011 (22.0)	87,205 (19.4)	2,55,124 (15.6)	2,05,541 (13.8)	49,583 (23.6)
बी. व्यय	3,03,445 (-0.1)	2,47,713 (0.9)	55,732 (-4.4)	3,37,665 (11.3)	2,78,321 (12.4)	59,344 (6.5)	1,77,352 (8.3)	1,43,068 (5.1)	34,284 (24.3)
सी. निवल लाभ	66,139 (57.3)	53,151 (60.9)	12,988 (44.4)	1,10,625 (67.3)	89,680 (68.7)	20,946 (61.3)	61,208 (33.8)	49,639 (37.0)	11,569 (21.7)
डी. कुल आस्तियां	39,52,564 (12.0)	33,97,838 (12.9)	5,54,726 (7.0)	45,37,139 (14.8)	38,76,202 (14.1)	6,60,937 (19.1)	47,10,141 (13.2)	39,93,270 (12.2)	7,16,871 (18.6)
ई. वित्तीय अनुपात (कुल आस्तियों के प्रतिशत के रूप में)									
(i) आय	9.9	9.4	13.2	10.5	10.0	13.2	10.8	10.3	13.8
(ii) व्यय	7.7	7.3	10.0	7.4	7.2	9.0	7.5	7.2	9.6
(iii) निवल लाभ	1.7	1.6	2.3	2.4	2.3	3.2	2.6	2.5	3.2
एफ. लागत-आय अनुपात (प्रतिशत)*	77.5	77.8	76.3	71.1	71.7	68.1	69.5	69.6	69.1

\* लागत-आय अनुपात = कुल व्यय / कुल आय

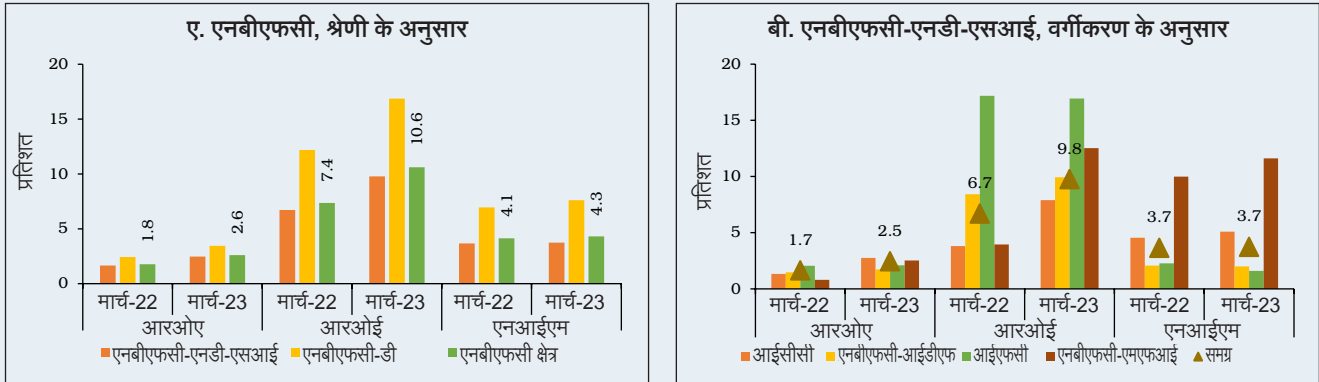
**टिप्पणियां:** 1. आंकड़े अनंतिम हैं।

2. कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि प्रतिशत में दर्शाते हैं।

**स्रोत:** पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई।



चार्ट VI.20: एनबीएफसी के लाभप्रदता अनुपात



आस्तियों पर प्रतिलाभ (आरओए) = निवल लाभ / औसत कुल आस्तियां  
 इक्विटी पर प्रतिलाभ (आरओई) = निवल लाभ / औसत कुल इक्विटी  
 निवल ब्याज मार्जिन (एनआईएम) = निवल ब्याज आय / औसत कुल आस्तियां  
**टिप्पणी:** आंकड़े अनंतिम हैं।  
**स्रोत:** पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई

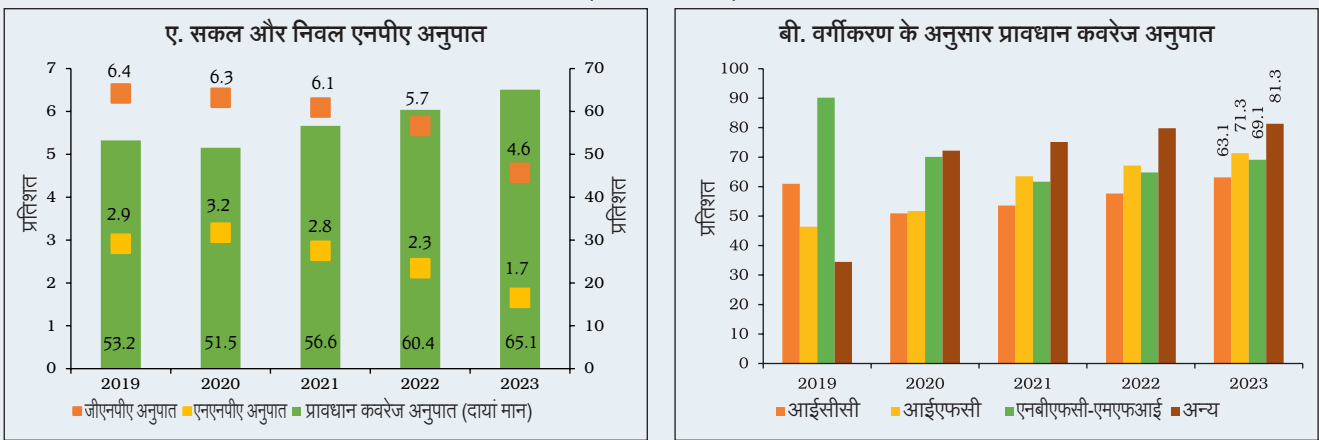
(चार्ट VI.20ए) आईएफसी को छोड़कर, एनबीएफसी-एनडी-एसआई के सभी वर्गीकरणों ने मार्च 2023 के अंत में लाभप्रदता अनुपातों में वृद्धि दर्ज की (चार्ट VI.20बी)।

### 2.9 आस्ति गुणवत्ता

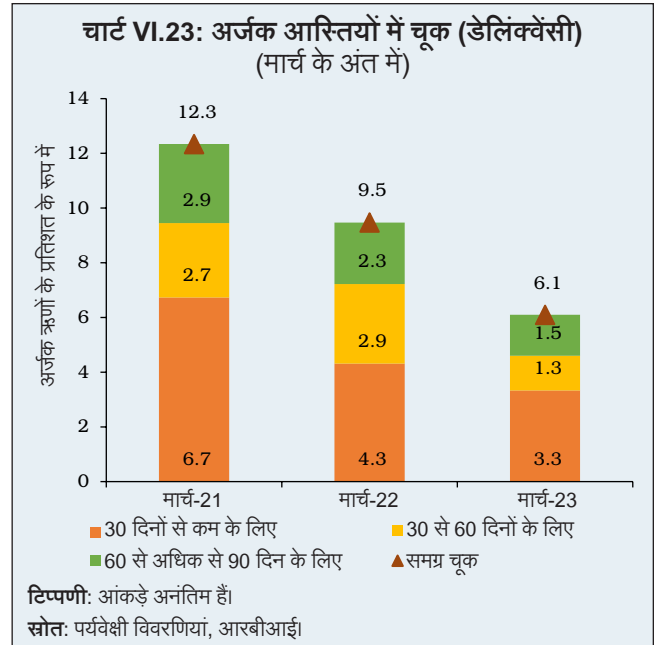
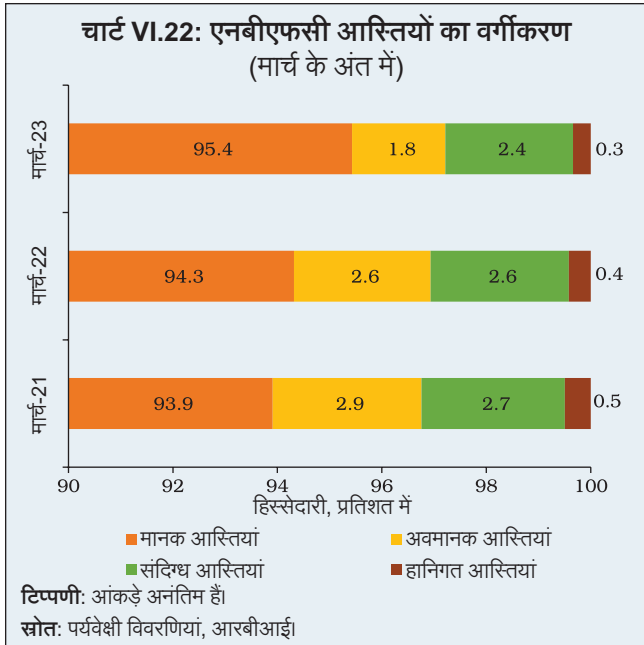
VI.29 रिजर्व बैंक ने एनबीएफसी को एनपीए उन्नयन मानदंडों का पालन करने के लिए 30 सितंबर 2022 तक का समय दिया, जिसमें स्पष्ट किया गया था कि एनपीए के रूप में वर्गीकृत ऋण खातों को मानक आस्ति के रूप में तभी अपग्रेड किया जा सकता है जब उधारकर्ता द्वारा ब्याज और मूलधन की पूरी बकाया राशि

का भुगतान किया जाए। 2022-23 में एनबीएफसी की आस्ति गुणवत्ता में सुधार हुआ। 2022-23 में जीएनपीए अनुपात को पांच साल के निचले स्तर तक लाने में कमतर गिरावटों ने भी योगदान दिया। एनबीएफसी के लिए प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर) मार्च 2020 के अंत की तुलना में 51.5 प्रतिशत से बढ़कर मार्च 2023 के अंत में 65.1 प्रतिशत हो गया (चार्ट VI.21)। सितंबर 2023 के अंत तक, इस क्षेत्र की आस्ति गुणवत्ता में और सुधार देखा गया क्योंकि जीएनपीए और एनएनपीए अनुपात क्रमशः 4.1 प्रतिशत और 1.5 प्रतिशत तक गिर गए।

चार्ट VI.21: एनबीएफसी की आस्ति गुणवत्ता (मार्च के अंत में)



**टिप्पणी:** आंकड़े अनंतिम हैं।  
**स्रोत:** पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई



VI.30 2022-23 में और 2023-24 की पहली छमाही में मानक आस्तियों के अनुपात में सुधार हुआ। एनपीए की सभी तीन श्रेणियों में भी कमी आई<sup>11</sup> (चार्ट VI. 22)।

VI.31 जैसे-जैसे महामारी का प्रभाव कम हुआ और आर्थिक गतिविधियों में तेजी आई, अर्जक ऋणों में समग्र चूक (डेलिक्वेंसी) मार्च 2021 के अंत में 12.3 प्रतिशत की तुलना में मार्च 2023 के अंत में घटकर 6.1 प्रतिशत हो गई। वर्ष 2022-23 के दौरान सभी बकेट में चूक (डेलिक्वेंसी) अनुपात में कमी आई, जिसमें 30 दिनों से कम अवधि के बकेट में अधिकतम चूक हुई (चार्ट VI.23)। बिना किसी अतिदेय वाली मानक आस्तियों का अनुपात मार्च 2021 के अंत में 87.7 प्रतिशत की तुलना में मार्च 2023 के अंत में बढ़कर 93.9 प्रतिशत हो गया।

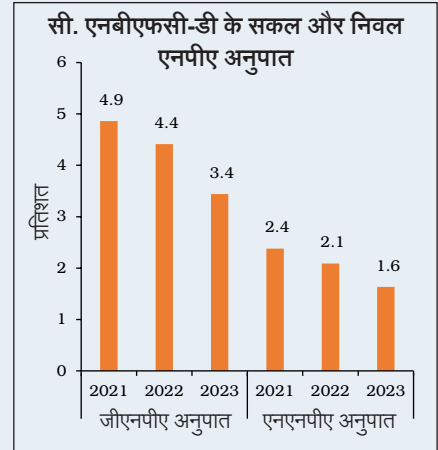
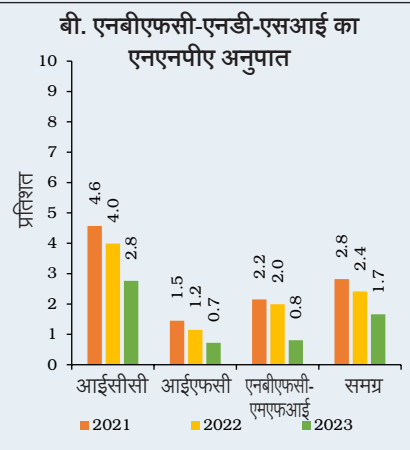
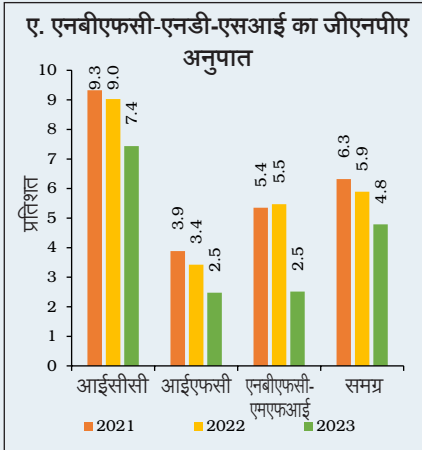
VI.32 आईसीसी, आईएफसी और एनबीएफसी-एमएफआई के जीएनपीए और एनएनपीए अनुपात मार्च 2023 के अंत तक कम हो गए, जो क्षेत्र की आस्ति गुणवत्ता में समग्र सुधार को दर्शाते

हैं (चार्ट VI.24ए और बी)। एनपीए की कमतर नई अनुवृद्धि और ऋण में मजबूत वृद्धि के साथ इसी तरह के रुझान एनबीएफसी-डी द्वारा भी प्रदर्शित किए गए (चार्ट VI.24सी)। सितंबर 2023 के अंत में एनबीएफसी-एनडी-एसआई और एनबीएफसी-डी दोनों की आस्ति गुणवत्ता में और सुधार हुआ।

VI.33 मार्च 2023 के अंत में कृषि और संबद्ध गतिविधियों, उद्योग और सेवाओं के लिए क्षेत्र-वार जीएनपीए अनुपात, एनबीएफसी के समग्र जीएनपीए अनुपात से अधिक रहा, जबकि खुदरा क्षेत्र के लिए, यह समग्र औसत से कम था। एमएसएमई ने उच्च जीएनपीए अनुपात दर्ज किया, हालांकि वह एक साल पहले की तुलना में कमतर रहा। सेवा क्षेत्र के भीतर, वाणिज्यिक स्थावर संपदा ने आस्ति गुणवत्ता में गिरावट दर्ज किया। खुदरा ऋणों में, वाहन ऋण खंड ने समीक्षाधीन अवधि के दौरान सुधार दर्ज किया (चार्ट VI.25)। सितंबर 2023 के अंत तक प्रमुख क्षेत्रों की आस्ति गुणवत्ता में और सुधार हुआ।

<sup>11</sup> आस्तियों को उनके प्रदर्शन के आधार पर मानक या अनर्जक में वर्गीकृत किया जा सकता है। पुनः, अनर्जक आस्तियों को अवमानक (12 महीने से अधिक की अवधि के लिए अनर्जक), संदिग्ध (ऐसी आस्तियां जो 12 महीने से अधिक की अवधि के लिए अवमानक बनी रहती हैं) और हानिगत आस्तियों (एनबीएफसी द्वारा वसूली योग्य नहीं घोषित की गई) में वर्गीकृत किया जा सकता है।

**चार्ट VI.24: श्रेणी-वार एनपीए अनुपात**  
(मार्च के अंत में)



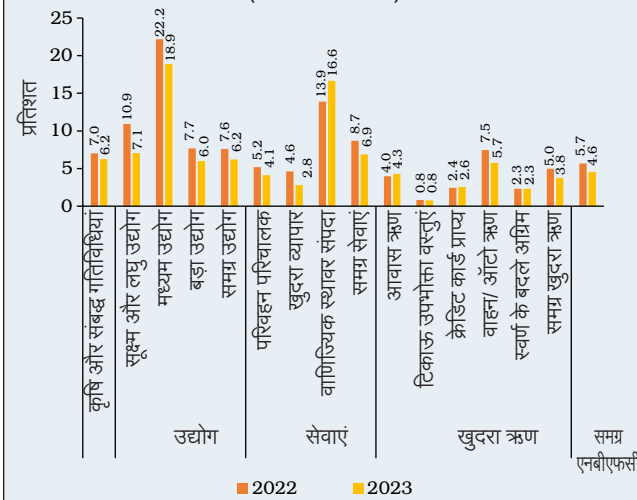
**टिप्पणी:** आंकड़े अनंतिम हैं।  
**स्रोत:** पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई

VI.34 मार्च 2023 के अंत में एनबीएफसी द्वारा दिए गए सकल अग्रिमों में बड़े उधार खातों (₹5 करोड़ और उससे अधिक का एक्सपोजर) का हिस्सा मामूली रूप से घट गया। बड़े उधार खातों का हिस्सा क्षेत्र के कुल एनपीए के दो-तिहाई से अधिक है (चार्ट VI.26ए)। विशेष उल्लेख खातों (एसएमए) के वर्गीकरण द्वारा एनपीए में संभावित गिरावट को रोकने के लिए प्रारंभिक दबाव और उपचारात्मक कार्यों की समय पर पहचान करने में

मदद मिलती है। मार्च 2023 के अंत में, जहां एसएमए -0 में वृद्धि देखी गई, वहीं एसएमए -1 और एसएमए -2 में वर्ष-दर-वर्ष गिरावट आई। इसी अवधि के दौरान इन खातों के पुनर्चिंतित बही-खातों का भी विस्तार हुआ। बड़े उधार खातों में अपेक्षाकृत उच्च चूक, मार्च 2023 के अंत में में पूरे एनबीएफसी क्षेत्र के लिए उनके जीएनपीए अनुपात में 4.6 प्रतिशत की तुलना में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि में परिलक्षित होती है (चार्ट VI.26बी)।

### 2.10 पूंजी पर्याप्तता

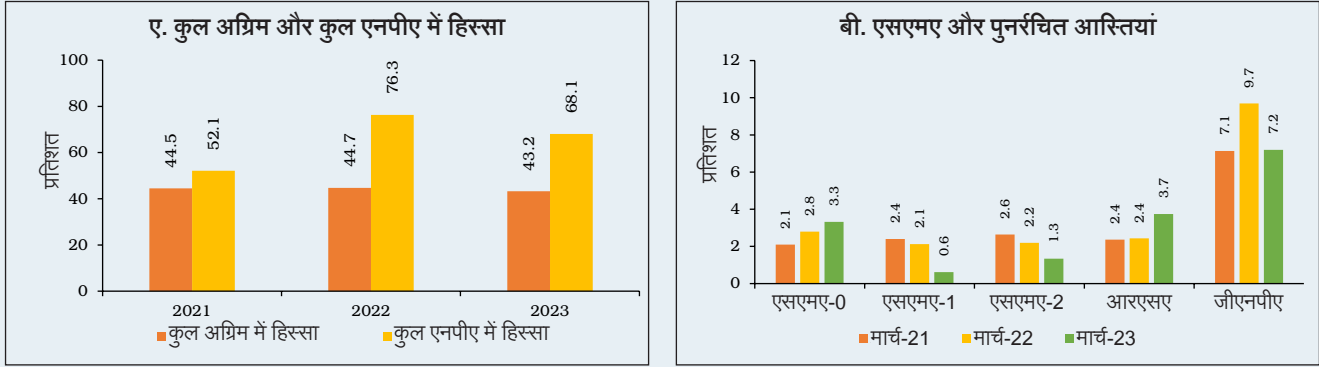
**चार्ट VI.25: एनबीएफसी क्षेत्र का क्षेत्र-वार जीएनपीए अनुपात**  
(मार्च के अंत में)



**टिप्पणी:** आंकड़े अनंतिम हैं।  
**स्रोत:** पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई

VI.35 मार्च 2023 के अंत में, जोखिम-भारित आस्तियों की तुलना में पूंजी अनुपात (सीआरएआर) को विनियामकीय अपेक्षा (कुल जोखिम-भारित परिसंपत्तियों का 15 प्रतिशत से कम नहीं, जिसमें तुलन पत्र और तुलन पत्रेतर दोनों मदें शामिल हैं) से काफी अधिक रखते हुए, एनबीएफसी को पर्याप्त रूप से पूंजीकृत किया गया था (चार्ट VI.27ए)। सभी एनबीएफसी-यूएल (कोर निवेश कंपनियों को छोड़कर) पर लागू सामान्य इक्विटी टियर 1 (सीईटी-1) पूंजी की मदों पर विस्तृत दिशा-निर्देश 19 अप्रैल 2022 को एसबीआर फ्रेमवर्क की अनुवर्ती कार्रवाई के रूप में जारी किए गए थे। एनबीएफसी-आईडीएफ को छोड़कर एनबीएफसी-एनडी-एसआई के सीआरएआर में 2022-23 के दौरान एक साल पहले की तुलना में उच्च टियर 1 पूंजी के कारण

चार्ट VI.26: बड़े उधार खातों में दबाव



आरएसए: पुनर्रचित मानक अग्रिम।  
 एसएमए-0, जहां मूलधन या ब्याज भुगतान 30 दिन से अधिक के लिए अतिदेय नहीं था, लेकिन खाते ने प्रारंभिक दबाव के संकेत दिखाए।  
 एसएमए-1, जहां मूलधन या ब्याज भुगतान 31-60 दिनों के लिए अतिदेय था।  
 एसएमए-2, जहां मूलधन या ब्याज भुगतान 61-90 दिनों के लिए अतिदेय था।  
 टिप्पणी: आंकड़े अनंतिम हैं।  
 स्रोत: बड़े ऋणों से संबंधित सूचनाओं की केंद्रीय रिपोर्टरी (सीआरआईएलसी) डेटाबेस।

सुधार हुआ (चार्ट VI. 27बी)। सितंबर 2023 के अंत में इस क्षेत्र का सीआरएआर 27.6 प्रतिशत के अनुकूल स्तर पर था।

2.11 संवेदनशील क्षेत्रों में एक्सपोजर

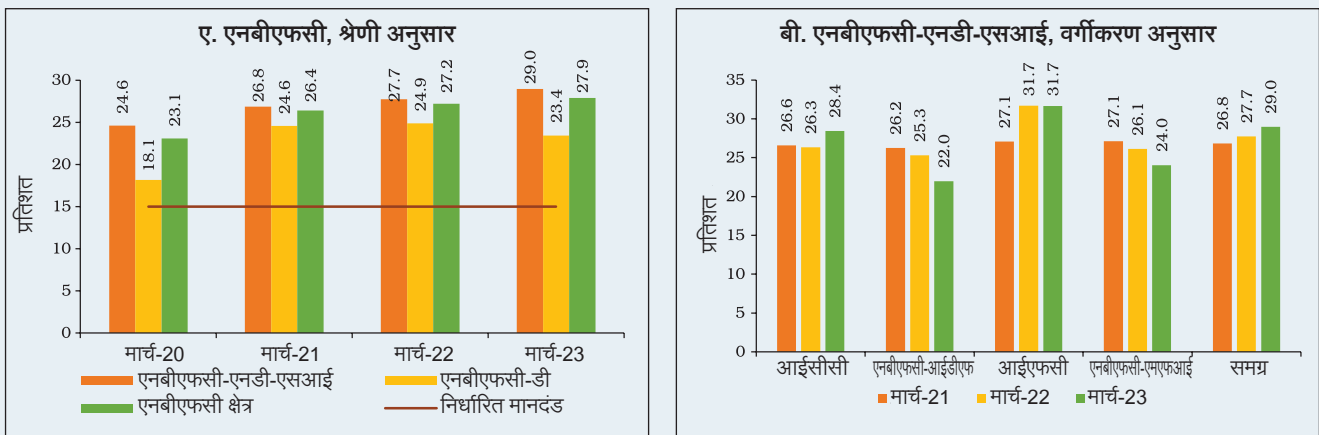
VI.36 संवेदनशील क्षेत्रों में पूंजी बाजार, स्थावर संपदा, प्रतिभूतियों में निवेश (आईआईएस) और पण्यों पर अग्रिम (एएसी) शामिल हैं। पूंजी बाजार एक्सपोजर (सीएमई) में पूंजी बाजार में अग्रिम और निवेश शामिल हैं, जबकि आईआईएस में उद्धृत और अनुद्धृत प्रतिभूतियां एवं इक्विटी में निवेश शामिल

हैं। मार्च 2023 के अंत तक, संवेदनशील क्षेत्रों में एनबीएफसी का एक्सपोजर वर्ष-दर-वर्ष आधार पर लगभग 15 प्रतिशत बढ़ा, हालांकि सीएमई और आईआईएस दोनों ने अपने हिस्से में मामूली गिरावट दर्ज की (चार्ट VI.28)।

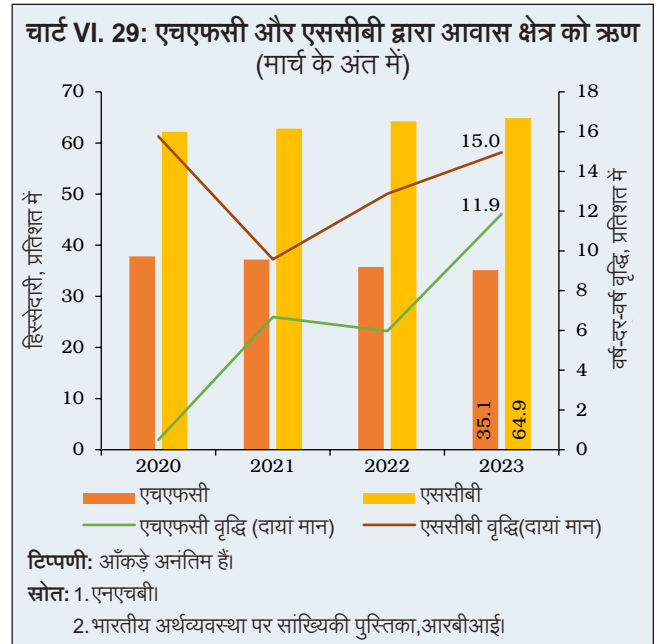
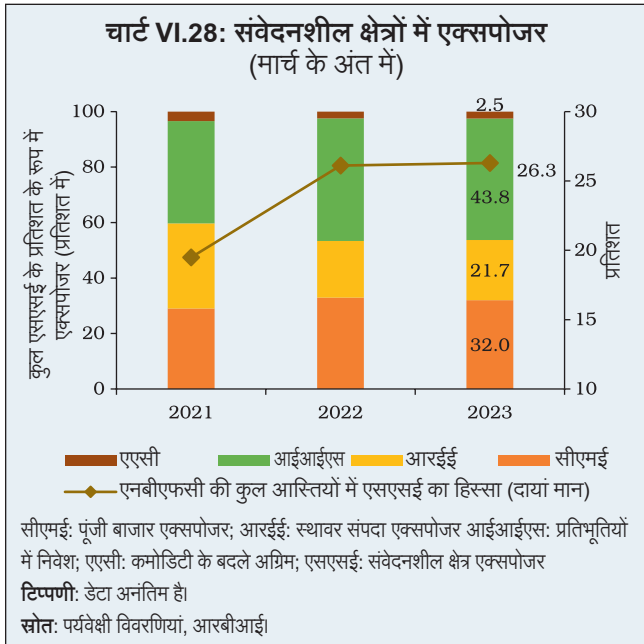
2.12 आवास वित्त कंपनियों (एचएफसी)

VI.37 भारत में आवास वित्त कंपनियों (एचएफसी) प्रमुख ऋण देने वाले संस्थाओं (पीएलआई) में से हैं, जिनकी आवास वित्त में लगभग एक-तिहाई बाजार हिस्सेदारी (एससीबी के बाद

चार्ट VI.27: एनबीएफसी का सीआरएआर



टिप्पणी: आंकड़े अनंतिम हैं।  
 स्रोत: पर्यवेक्षी विवरणियां, आरबीआई



दूसरे स्थान पर) है। रिजर्व बैंक द्वारा अगस्त 2019 से एचएफसी के विनियामक की भूमिका संभालने के बाद एचएफसी और एनबीएफसी के बीच नियमों को सुसंगत बनाने के लिए पहल की गई है, जिसमें मौजूदा एचएफसी के लिए प्रमुख व्यावसायिक मानदंडों<sup>12</sup>, निवल स्वामित्व वाली निधि (एनओएफ) आवश्यकताओं और चलनिधि कवरेज अनुपात (एलसीआर) और पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीआरएआर) के रखरखाव के लिए अपेक्षित मार्गदर्शन किया गया।

VI.38 मार्च 2023 के अंत में एचएफसी का 72 प्रतिशत बकाया ऋण आवास ऋण के रूप में था। कोविड-19 के बाद मकान स्वामित्व को प्राथमिकता देने, किफायती आवास को बढ़ावा देने के लिए सरकार की पहल और आकर्षक कर प्रोत्साहन के कारण 2022-23 में आवास क्षेत्र में एचएफसी की ऋण वृद्धि में तेजी आई (चार्ट VI.29)।

VI.39 मार्च 2023 के अंत में, 97 एचएफसी के पास एनएचबी अधिनियम, 1987 की धारा 29ए के तहत पंजीकरण प्रमाणपत्र (सीओआर) उपलब्ध थे, जिनमें से 15 जमा लेने वाली संस्थाएं

थीं। इनमें से छह को सार्वजनिक जमा स्वीकार करने से पहले एनएचबी से पूर्व लिखित अनुमति प्राप्त करने की आवश्यकता है। लगभग 95 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ गैर-सरकारी पब्लिक लिमिटेड कंपनियों का इस क्षेत्र में वर्चस्व है। एकमात्र सरकारी एचएफसी की आस्त का आकार वर्ष 2022-23 में मध्यम दर से बढ़ा है (सारणी VI.8)।

**सारणी VI.8: एचएफसी के स्वामित्व का स्वरूप (मार्च के अंत में)**

प्रकार	(राशि ₹ करोड़ में)			
	2022		2023	
	संख्या	आस्त आकार	संख्या	आस्त आकार
1	2	3	4	5
ए. सरकारी कंपनियां	1	80,939	1	83,054
बी. गैर-सरकारी कंपनियां (1+2)	94	14,46,022	96	16,04,245
1. पब्लिक लिमिटेड कंपनियां	73	14,39,592	74	15,95,917
2. प्राइवेट लिमिटेड कंपनियां	21	6,430	22	8,328
<b>कुल (ए+बी)</b>	<b>95</b>	<b>15,26,961</b>	<b>97</b>	<b>16,87,300</b>

टिप्पणी: आँकड़े अनंतिम हैं।  
स्रोत: एनएचबी।

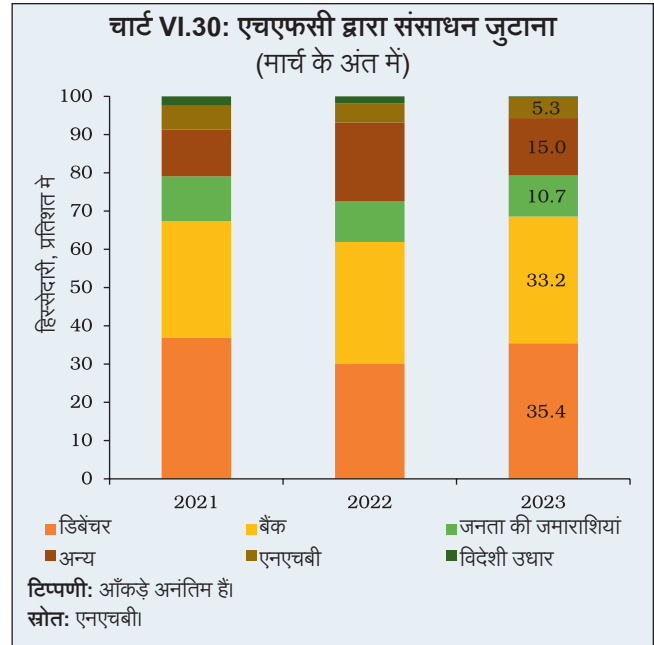
<sup>12</sup> एचएफसी को 31 मार्च 2024 तक उत्तरोत्तर आवास वित्त के लिए कुल आस्तियों और व्यक्तिगत आवास वित्त के लिए कुल आस्तियों का न्यूनतम प्रतिशत क्रमशः 60 प्रतिशत और 50 प्रतिशत प्राप्त करने की आवश्यकता है।

2.12.1. तुलन-पत्र

VI.40 वर्ष 2022-23 में एचएफसी का समेकित तुलन-पत्र 10.5 प्रतिशत बढ़ा है, जो ऋण, अग्रिम और निवेश में वृद्धि को दर्शाता है। देयताओं के मामले में, डिबेंचर और बैंक उधारियों ने तुलन-पत्र की वृद्धि में योगदान किया है। शेयर पूंजी, आरक्षित निधि और अधिशेष में बढ़ोत्तरी ने 31 मार्च 2023 तक एचएफसी के लिए न्यूनतम एनओएफ के रूप में ₹20 करोड़ बनाए रखने की आवश्यकता को भी दर्शाया (सारणी VI.9)।

2.12.2. एचएफसी की संसाधन प्रोफाइल

VI.41 मार्च 2023 के अंत में एचएफसी द्वारा जुटाए गए कुल संसाधनों में बैंकों से डिबेंचर और उधार की हिस्सेदारी 69 प्रतिशत थी। वर्ष के दौरान उनकी हिस्सेदारी में वृद्धि हुई (चार्ट VI.30)।



**सारणी VI.9: एचएफसी का समेकित तुलन-पत्र (मार्च के अंत में)**

(राशि ₹ करोड़ में)

मर्दे	2021	2022	2023	प्रतिशत घट-बढ़		
				2022	2023	
1	2	3	4	5	6	
1	शेयर पूंजी	37,696	40,357	42,773	7.1	6.0
2	रिज़र्व एवं अधिशेष	1,70,359	2,24,698	2,55,168	31.9	13.6
3	जनता की जमाराशियां	1,26,691	1,25,236	1,35,183	-1.1	7.9
4	डिबेंचर	3,97,816	3,56,320	4,47,163	-10.4	25.5
5	बैंक उधारियां	3,29,835	3,74,803	4,18,501	13.6	11.7
6	एनएचबी से उधारियां	67,341	59,551	67,267	-11.6	13.0
7	अंतर-कॉरपोरेट उधारियां	19,182	1,24,969	76,516	551.5	-38.8
8	वाणिज्यिक पत्र	54,554	50,216	61,847	-8.0	23.2
9	सरकार से उधारियां***	19,313	2,587	431	-86.6	-83.3
10	गौण ऋण	19,168	15,363	14,401	-19.9	-6.3
11	अन्य उधारियां	1,31,818	71,410	40,565	-45.8	-43.2
12	चालू देयताएं	8,100	28,922	28,439	257.0	-1.7
13	प्रावधान	64,303	33,793	30,794	-47.4	-8.9
14	अन्य	36,686	18,738	68,253	-48.9	264.3
15	<b>कुल देयताएं/ आस्तियां</b>	<b>14,82,863</b>	<b>15,26,961</b>	<b>16,87,300</b>	<b>3.0</b>	<b>10.5</b>
16	ऋण एवं अग्रिम	12,77,653	13,28,070	14,57,842	3.9	9.8
17	किराया खरीद और लीज आस्तियां	10	20	-	106.5	-100.0
18	निवेश	1,29,961	1,04,625	1,41,089	-19.5	34.9
19	नकद और बैंक शेष	36,864	39,968	27,695	8.4	-30.7
20	अन्य आस्तियां	38,375	54,277	60,673	41.4	11.8

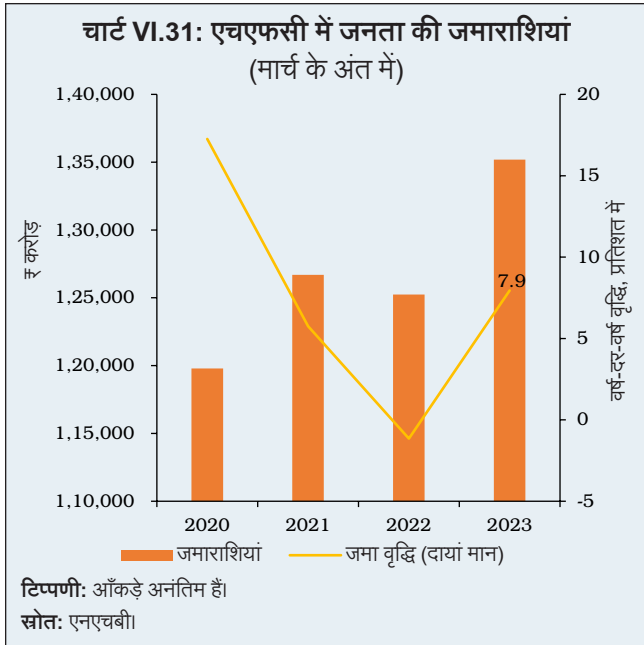
\* इसमें आस्थगित कर देयताएं और अन्य देयताएं शामिल हैं।

\*\* इसमें मूर्त और अमूर्त आस्तियां, अन्य आस्तियां और आस्थगित कर आस्तित्व शामिल हैं।

\*\*\* इसमें विदेशी सरकारों से भी उधारियां शामिल हैं।

टिप्पणी: आँकड़े अनंतिम हैं।

स्रोत: एनएचबी।



VI.42 पिछले वर्ष में गिरावट के बाद 2022-23 में जनता की जमाराशियां, निधीयन का एक अन्य महत्वपूर्ण स्रोत बनीं (चार्ट VI.31)। हरित गतिविधियों/परियोजनाओं के लिए ऋण के प्रवाह को बढ़ाने के उद्देश्य से विनियमित संस्थाओं (जमा लेने वाली एचएफसी सहित) के लिए हरित जमा की स्वीकृति हेतु रिजर्व बैंक ने 1 जून 2023 से लागू होने वाला फ्रेमवर्क शुरू किया।

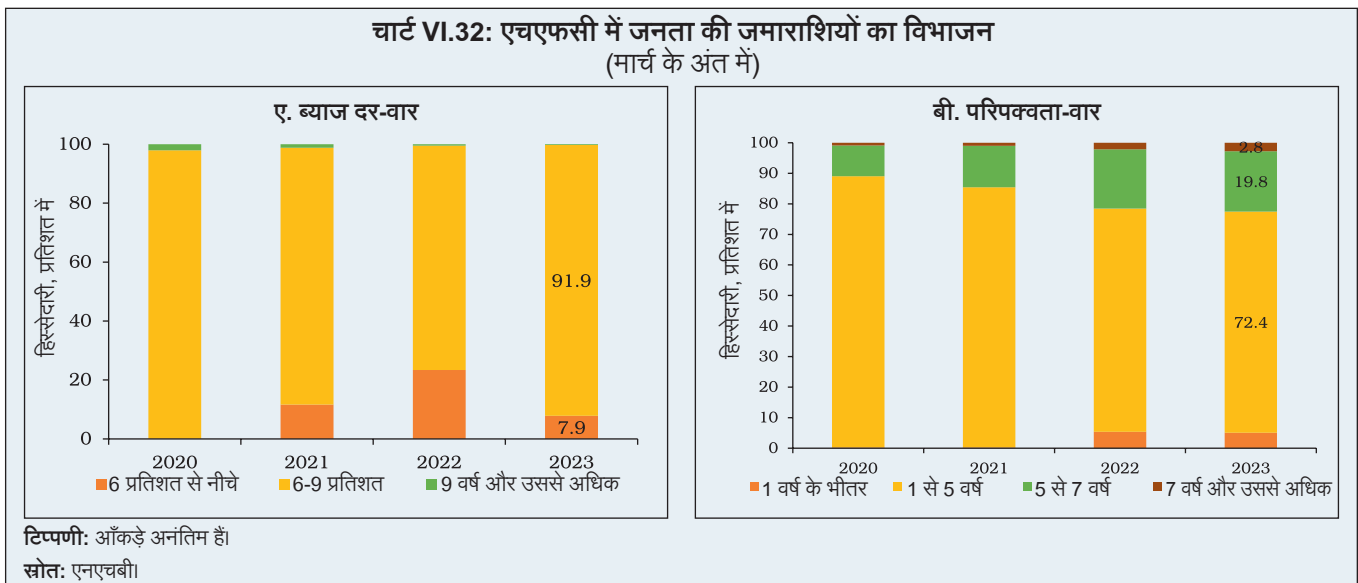
VI.43 वर्ष 2022-23 में, 6 प्रतिशत से कम जमा की हिस्सेदारी में नरमी के साथ एचएफसी द्वारा धारित जमा राशि 6-9 प्रतिशत ब्याज दर की सीमा में केंद्रित थी (चार्ट VI.32ए)। परिपक्वता की दृष्टि से, जमाराशियों का अधिकतम हिस्सा 1 से 5 वर्ष की अवधि के अंतर्गत था (चार्ट VI.32 बी)।

### 2.12.3. वित्तीय प्रदर्शन

VI.44 वर्ष 2022-23 में निधिक आय और शुल्क आय दोनों के कारण एचएफसी की समेकित आय बढ़ी। आय विस्तार के साथ-साथ व्यय में हुई वृद्धि के परिणामस्वरूप लागत-आय अनुपात में गिरावट आई। इस क्षेत्र की समग्र लाभप्रदता कोविड-पूर्व स्तर के ऊपर है <sup>13</sup> (सारणी VI.10)।

### 2.12.4. सुदृढ़ता संकेतक

VI.45 वर्ष 2022-23 में एचएफसी की आस्ति गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ। वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन (सरफेसी) अधिनियम के अंतर्गत अधिक उगाही और औसतन अधिक बेहतर वसूली होने से मार्च 2023 के अंत तक दोनों जीएनपीए और एनएनपीए अनुपातों में गिरावट आई (चार्ट VI.33)।



<sup>13</sup> वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए।

**सारणी VI.10: एचएफसी के वित्तीय मानदंड**  
(मार्च के अंत में)

(₹ करोड़)

1	2020-21	2021-22	2022-23	प्रतिशत घट-बढ़	
	2	3	4	2021-22	2022-23
<b>कुल आय*</b>	<b>1,29,472</b>	<b>1,25,425</b>	<b>1,55,197</b>	<b>-3.1</b>	<b>23.7</b>
1. निधि आय	1,27,924	1,22,998	1,45,086	-3.9	18.0
2. शुल्क आय	1,537	1,376	1,950	-10.5	41.8
<b>कुल व्यय**</b>	<b>98,906</b>	<b>1,00,264</b>	<b>1,14,841</b>	<b>1.4</b>	<b>14.5</b>
1. वित्तीय व्यय	79,392	74,467	87,425	-6.2	17.4
2. परिचालन व्यय	19,199	10,638	13,963	-44.6	31.3
कर का प्रावधान	13,135	4,766	1,798	-63.7	-62.3
<b>निवल लाभ (पीएटी)</b>	<b>210</b>	<b>20,395</b>	<b>28,692</b>	<b>9624.1</b>	<b>40.7</b>
कुल आस्तियां	14,82,863	15,26,961	16,87,300	3.0	10.5
लागत-आय अनुपात (कुल व्यय/कुल आय)	76.4	79.9	74.0		
आस्तियों पर प्रतिलाभ (आरओए) (पीएटी/कुल आस्तियां)	0.0	1.3	1.7		

\* कुल आय में गैर-वित्तीय व्यवसाय से आय भी शामिल है।  
\*\* कुल व्यय में मूल्यहास/प्रावधान भी शामिल है।  
**टिप्पणी:** आँकड़े अनंतिम हैं।  
**स्रोत:** एनएचबी।

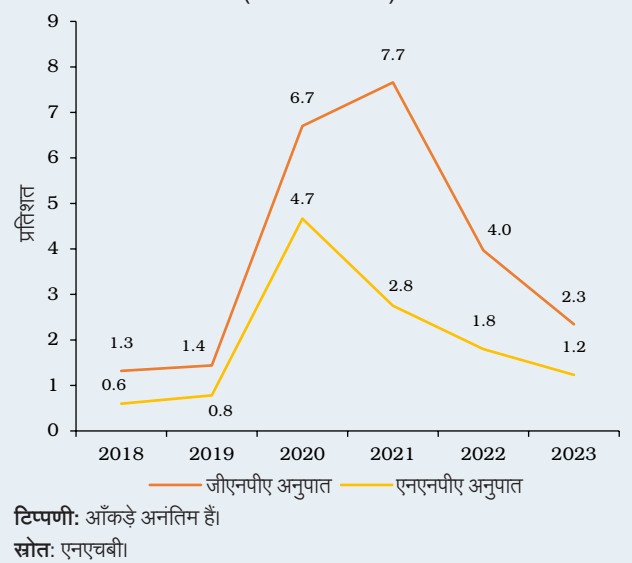
VI.46 संक्षेप में, वर्ष 2022-23 में एचएफसी ने उन्नत आस्ति गुणवत्ता, बेहतर लाभप्रदता और ऋण संवितरण में उच्च वृद्धि दर्ज की। आगे, किफायती आवास, अनुकूल जनसांख्यिकी और बढ़ते शहरीकरण पर सरकार की ओर से बल दिये जाने से आवास की मांग बढ़ने की उम्मीद है। इसमें एचएफसी द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका निभाए जाने की संभावना है। कुछ एचएफसी

ने आवास के साथ-साथ एमएसएमई ऋणों के लिए बैंकों के साथ सह-ऋण मॉडल (सीएलएम) को सफलतापूर्वक संचालित किया है। वर्ष 2023-24 के लिए रिजर्व बैंक द्वारा अपने मानदंड आधारित विनियामकीय ढांचे में पांच एचएफसी को ऊपरी लेयर में शामिल किया जाना भारतीय वित्तीय जगत में एचएफसी के प्रणालीगत महत्व को रेखांकित करता है।

### 3. अखिल भारतीय वित्तीय संस्थाएं

VI.47 मार्च 2023 के अंत में, पांच एआईएफआई अर्थात्, राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड); भारतीय निर्यात आयात बैंक (एकिजम बैंक); भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी); राष्ट्रीय आवास बैंक (एनएचबी); और राष्ट्रीय अवसंरचना वित्तपोषण और विकास बैंक (नैबफिड) को रिजर्व बैंक के साथ पंजीकृत किया गया था। ये वित्तीय संस्थाएं (एफआई) कई प्रकार के क्षेत्रों और गतिविधियों के लिए दीर्घकालिक वित्तपोषण की सुविधा प्रदान करते हैं। नाबार्ड एक विकास बैंक है जिसका उद्देश्य संवहनीय और समान कृषि एवं ग्रामीण विकास को बढ़ावा देना है। सिडबी एमएसएमई के साथ-साथ उन्हीं प्रकार की गतिविधियों में शामिल संस्थाओं के प्रोत्साहन, वित्तपोषण और विकास के लिए प्रमुख एफआई के रूप में कार्य करता है।

**चार्ट VI.33: एचएफसी का जीएनपीए और एनएनपीए अनुपात**  
(मार्च के अंत में)





## भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति एवं प्रगति संबंधी रिपोर्ट 2022-23

एनएचबी स्थानीय और क्षेत्रीय स्तरों पर आवास वित्त संस्थाओं को बढ़ावा देने के लिए प्राथमिक एफआई के रूप में कार्य करता है और ऐसी संस्थाओं को वित्तीय और अन्य सहायता प्रदान करता है। एक्विजि बैंक देश के अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से निर्यातकों और आयातकों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। नैबफिड एक विशिष्ट प्रकार की एफआई है जो भारत में अवसंरचना क्षेत्र की दीर्घकालिक वित्तपोषण संबंधी आवश्यकताओं का समाधान करने पर केंद्रित है।

### 3.1 एआईएफआई का परिचालन <sup>14</sup>

VI.48 वर्ष 2022-23 के दौरान एआईएफआई द्वारा स्वीकृत और संवितरित वित्तीय सहायता में मुख्य रूप से सिडबी के कारण अच्छी वृद्धि देखी गई, जिसने एमएसएमई क्षेत्र की ऋण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपने संचालन को बढ़ाया। हालाँकि, वर्ष 2022-23 में स्वीकृति के अनुपात के रूप में एआईएफआई के कुल संवितरण में गिरावट आई (सारणी VI.11 और परिशिष्ट VI.7)।

### 3.2 तुलन पत्र

VI.49 एआईएफआई के समेकित तुलन पत्र की वृद्धि 2021-22 में 15.9 प्रतिशत से बढ़कर 2022-23 में 19.8 प्रतिशत हो

### सारणी VI.11: एआईएफआई द्वारा स्वीकृत और संवितरित वित्तीय सहायता

संस्थाएं	स्वीकृति		संवितरण	
	2021-22	2022-23	2021-22	2022-23
	1	2	3	4
एक्विजि बैंक	68.863	79.765	56,189	68,787
नाबार्ड	3,80,396	3,84,319	3,78,387	3,64,832
एनएचबी	30,507	36,137	25,990	30,372
सिडबी	1,48,550	2,88,137	1,46,402	2,80,787
एनएबीएफआईडी	-	18,561	-	10,045
<b>कुल</b>	<b>6,28,316</b>	<b>8,06,919</b>	<b>6,06,968</b>	<b>7,54,823</b>

(₹ करोड़)

टिप्पणी: आँकड़े अनंतिम हैं।  
स्रोत: संबंधित वित्तीय संस्थाएँ।

गई। आस्तियों के मामलों में, ये ऋणों और अग्रिमों द्वारा संचालित था। इस विस्तार का आधे से अधिक हिस्सा सिडबी और उसके बाद नाबार्ड के ऋणों के कारण था। नाबार्ड द्वारा कमतर निवेश के कारण एआईएफआई की कुल निवेश में गिरावट आई। देनदारियों के मामलों में, उच्च आधार के बावजूद, वर्ष 2022-23 में उधारी तेजी से बढ़ी (58.5 प्रतिशत)। इस विस्तार का 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा सिडबी की उधार सीमा में वृद्धि के कारण था (सारणी VI.12)।

### सारणी VI.12: एआईएफआई का तुलन पत्र (मार्च के अंत में)

1	2021	2022	2023	प्रतिशत घट-बढ़	
	2	3	4	2021-22	2022-23
	5	6			
1. पूंजी	32,221	55,008	55,008	70.7	0.0
2. रिज़र्व	71,025	86,658	99,638	22.0	15.0
3. बॉण्ड और डिबेंचर	3,10,340	3,40,616	3,62,319	9.8	6.4
4. जमाशियाँ	4,12,001	4,36,057	4,94,762	5.8	13.5
5. उधारियाँ	1,87,907	2,59,406	4,11,114	38.0	58.5
6. अन्य देयताएं	62,023	68,615	70,229	10.6	2.4
<b>कुल देनदारियाँ / आस्तियाँ</b>	<b>10,75,517</b>	<b>12,46,359</b>	<b>14,93,070</b>	<b>15.9</b>	<b>19.8</b>
1. नकद और बैंक शेष	34,595	43,370	46,041	25.4	6.2
2. निवेश	79,275	1,16,334	1,00,427	46.7	-13.7
3. ऋण एवं अग्रिम	9,44,318	10,69,116	13,17,700	13.2	23.3
4. भुनाया गया / पुनः भुनाया गया बिल	1,410	3,058	5,290	116.9	73.0
5. अचल आस्तियाँ	1,273	1,268	1,260	-0.4	-0.6
6. अन्य आस्तियाँ	14,646	13,212	22,353	-9.8	69.2

टिप्पणियाँ : 1. 2022 से नैबफिड ने पर्यवेक्षी डेटा प्रस्तुत करना शुरू कर दिया।  
2. आँकड़े अनंतिम हैं।  
स्रोत: संबंधित वित्तीय संस्थाएँ।

<sup>14</sup> एक्विजि बैंक, सिडबी, नाबार्ड और नैबफिड के लिए वित्तीय वर्ष अप्रैल से मार्च तक चलता है, जबकि एनएचबी के लिए यह जुलाई से जून तक होता है।

**सारणी VI.13: 2022-23 में एआईएफआई द्वारा जुटाए गए संसाधन**

(₹ करोड़)

संस्थाएं	जुटाए गए कुल संसाधन				कुल बकाया
	दीर्घकालिक	अल्पकालिक	विदेशी मुद्रा	कुल	
1	2	3	4	5	6
एक्विजि बैंक	6,630	39,397	28,479	74,506	1,28,423
नाबार्ड	1,16,606	2,11,774	0	3,28,380	6,70,971
एनएचबी*	22,478	7,684	0	30,162	84,422
सिडबी**	1,10,179	1,49,148	0	2,59,327	3,65,694
एनएबीएफआई-डी	-	-	-	-	-
<b>कुल</b>	<b>2,55,893</b>	<b>4,08,003</b>	<b>28,479</b>	<b>6,92,375</b>	<b>12,49,510</b>

\* अल्पकालिक संसाधन के आँकड़े, एकदिवसीय त्रिपक्षीय रिपो लेनदेन और निपटान (टीआरडीपीएस) में विस्तारण (रोल-ओवर) आधार पर लेनदेन के माध्यम से जुटाई गई उधारियां दर्शाते हैं। (विस्तारण (रोल-ओवर) आधार पर सकल राशि)

\*\* कुल जुटाये गए संसाधन के अंतर्गत अल्पकालिक संसाधनों में बैंकों से अल्पकालिक ऋण भी शामिल हैं।

**टिप्पणी:** दीर्घकालिक रुपया संसाधनों में बॉण्ड/डिबेंचरों के माध्यम से जुटाई गई उधारियां शामिल हैं; जबकि अल्पकालिक रुपया संसाधनों में सीपी, मीयादी जमाराशियां, आईसीडी, सीडी और मीयादी मुद्रा बाजार से जुटाई गई उधारियां शामिल हैं। विदेशी मुद्रा संसाधनों में मुख्यतः अंतरराष्ट्रीय बाजार में निर्गत बॉण्डों के माध्यम से जुटाई गई उधारियां शामिल हैं।

**स्रोत:** संबंधित वित्तीय संस्थाएं

VI.50 वर्ष 2022-23 में नाबार्ड के अतिरिक्त सभी एआईएफआई द्वारा जुटाए गए कुल संसाधनों में वृद्धि हुई। इसके बावजूद भी, आस्तियों के आकार के हिसाब से सबसे बड़ा एआईएफआई, नाबार्ड, की कुल जुटाए गए संसाधनों में से लगभग आधी हिस्सेदारी है, जिसके बाद सिडबी का स्थान आता है। अल्पकालिक निधियों पर एआईएफआई की निर्भरता धीरे-धीरे बढ़ रही है, जो मार्च 2023 के अंत तक जुटाए गए कुल संसाधनों का लगभग 59 प्रतिशत है। इसमें दीर्घकालिक निधियों की हिस्सेदारी घट रही है। एक्विजि बैंक विदेशी मुद्रा संसाधन जुटाने वाला एकमात्र एआईएफआई था (सारणी VI.13)।

VI.51 एआईएफआई द्वारा मुद्रा बाजार से जुटाए गए संसाधनों में तेज वृद्धि दर्ज की गई, जो सिडबी द्वारा सीपी जारी करने से संचालित रही। एआईएफआई द्वारा मुद्रा बाजार से जुटाए गए कुल संसाधनों में नाबार्ड और सिडबी का योगदान लगभग 90 प्रतिशत रहा। एआईएफआई अपनी निवल स्वाधिकृत निधि (एनओएफ) से संबद्ध समग्र समावेशी सीमा में रहते हुए संसाधन जुटा सकते हैं। नवीनतम लेखापरीक्षित तुलन पत्र के अनुसार, वर्ष 2022-23 में इस सीमा के तहत, उपयोग में गिरावट आई (सारणी VI.14)।

**सारणी VI.14: एआईएफआई द्वारा मुद्रा बाजार से जुटाए गए संसाधन**

(₹ करोड़)

	2021-22	2022-23	प्रतिशत घट-बढ़
1	2	3	4
<b>ए. कुल</b>	<b>1,01,099</b>	<b>1,53,255</b>	<b>51.6</b>
i) सावधि जमा	8,648	8,709	0.7
ii) मीयादी मुद्रा	1,987	1,942	-2.3
iii) अंतर-कॉरपोरेट जमा	-	-	-
iv) जमा प्रमाणपत्र	38,170	49,560	29.8
v) वाणिज्यिक पत्र	52,294	93,044	77.9
<b>मेमो:</b>			
बी. समावेशक सीमा ^	1,32,241	2,15,631	63.1
सी. समावेशक सीमा का उपयोग (बी के प्रतिशत के रूप में ए)	76.5	71.1	-

^: बोर्ड द्वारा खातों को अपनाने के बाद

**टिप्पणियां:** 1. समावेशक सीमा पांच लिखतों के लिए लागू है- सावधि जमा; सावधि मुद्रा उधार; जमा प्रमाणपत्र (सीडी); वाणिज्यिक पत्र (सीपी); और अंतर-कॉरपोरेट जमा।

2. एनएचबी के लिए अंत जून।

**स्रोत:** संबंधित वित्तीय संस्थाएं।

**3.3 निधियों के स्रोत और उपयोग**

VI.52 वर्ष 2022-23 में एआईएफआई द्वारा जुटाई गई और अभिनियोजित की गई निधियों में गिरावट आई। वर्ष 2022-23 में प्रमुख स्रोत, आंतरिक निधियों में गिरावट आई जबकि सिडबी की वजह से बाहरी निधि में मजबूत वृद्धि हुई। एआईएफआई द्वारा नया अभिनियोजन एक वर्ष पहले के स्तर से लगभग दोगुना हो गया, यह सिडबी द्वारा संचालित था (सारणी VI.15)।

**सारणी VI.15: एआईएफआई के स्रोतों और निधियों के परिणियोजन का विनियोजन**

(₹ करोड़)

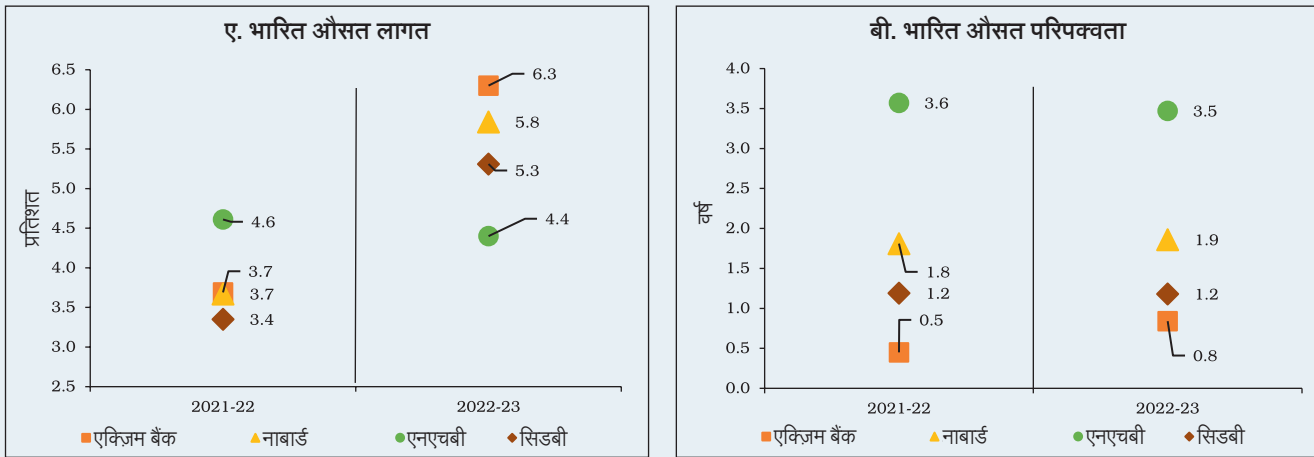
मदें	2021-22	2022-23	प्रतिशत घट-बढ़
1	2	3	4
<b>ए. निधि के स्रोत (i+ii+iii)</b>	<b>59,10,950</b>	<b>57,92,482</b>	<b>-2.0</b>
i. आंतरिक	46,08,972	34,74,360	-24.6
ii. बाह्य	12,31,854	22,48,393	82.5
iii. अन्य@	70,125	69,729	-0.6
<b>बी. निधियों का विनियोजन (i+ii+iii)</b>	<b>59,05,271</b>	<b>57,80,057</b>	<b>-2.1</b>
i. नया अभियोजन	8,60,062	15,33,678	78.3
ii. पिछले उधारियों का पुनर्भुगतान	34,42,379	35,62,866	3.5
iii. अन्य अभियोजन	16,02,830	6,83,512	-57.4
इनमें से: ब्याज भुगतान	39,590	52,845	33.5

@: बैंकों और भारतीय रिजर्व बैंक के पास नकदी और शेष राशि शामिल है।

**टिप्पणी:** -कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े कुल का प्रतिशत हैं। आँकड़े अनतिम हैं।

**स्रोत:** संबंधित वित्तीय संस्थान।

चार्ट VI.34: एआईएफआई द्वारा जुटाए गए रुपये के संसाधनों की भारत औसत लागत और परिपक्वता



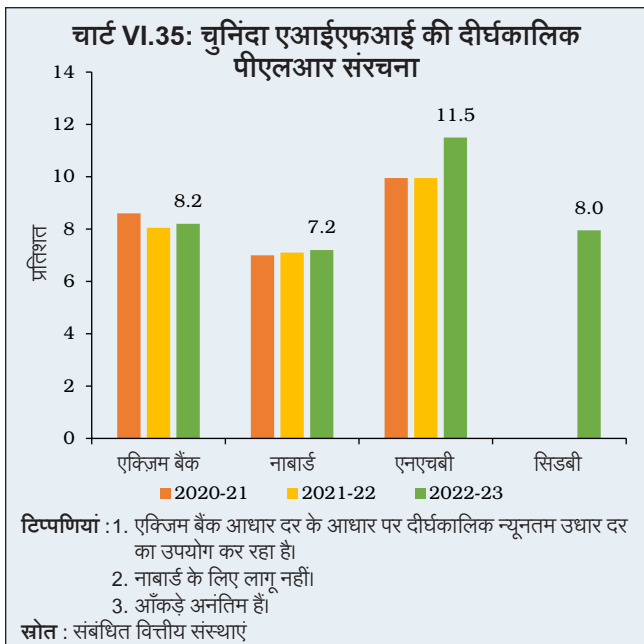
टिप्पणी: आँकड़े अनंतिम हैं।  
 स्रोत: संबंधित वित्तीय संस्थान।

### 3.4 परिपक्वता प्रोफाइल और उधार की लागत

VI.53 वित्तीय परिस्थितियों के धीरे-धीरे सख्त होने से एनएचबी, जिसकी रुपये के संसाधनों की औसत परिपक्वता उच्चतम थी, को छोड़कर सभी एआईएफआई द्वारा एकत्र किए गए रुपये के संसाधनों की भारत औसत लागत (डब्ल्यूएसी) में वृद्धि हुई (चार्ट VI.34)। सभी एआईएफआई के लिए दीर्घावधि मूल उधार दरें (पीएलआर) बढ़ गईं (चार्ट VI.35)।

### 3.5 वित्तीय प्रदर्शन

VI.54 वर्ष 2022-23 में एआईएफआई की आय में ब्याज आय के कारण वृद्धि हुई। हालांकि, एनएचबी के कारण संकुचन की वजह से एआईएफआई की गैर-ब्याज आय में और गिरावट हुई। मुख्य रूप से सिडबी की देयताओं के कारण ब्याज व्यय में तीव्र गति से वृद्धि हुई। हालांकि, नाबार्ड के कारण परिचालन व्यय में कमी आई। वर्ष 2022-23 के दौरान एआईएफआई के परिचालन लाभ और निवल लाभ दोनों में मजबूत वृद्धि दर्ज हुई (सारणी VI.16)।



VI.55 वर्ष 2022-23 के दौरान, नाबार्ड के अतिरिक्त सभी एआईएफआई के लिए औसत कार्यशील निधि के प्रतिशत के अनुपात के रूप में ब्याज आय और परिचालन लाभ में सुधार हुआ (सारणी VI.17)।

VI.56 वर्ष 2022-23 में एकिक्रम बैंक और सिडबी की लाभप्रदता में सुधार हुआ जो आस्तियों पर प्रतिलाभ (आरओए) से परिलक्षित होता है। नाबार्ड के अतिरिक्त सभी एआईएफआई की पूंजी पर्याप्तता (सीआरएआर) में कमी हुई। हालांकि, सभी एआईएफआई ने सीआरएआर को लगातार विनियमाकीय आवश्यकताओं के ऊपर बनाए रखा (चार्ट VI.36)।

### 3.6 सुदृढ़ता संकेतक

VI.57 वर्ष 2022-23 में एकिक्रम बैंक के अतिरिक्त सभी एआईएफआई ने प्रावधान के कारण निवल एनपीए (एनएनपीए)

**सारणी VI.16: एआईएफआई का वित्तीय प्रदर्शन**

(₹ करोड़)

	2020-21	2021-22	2022-23	प्रतिशत घट-बढ़	
	1	2	3	2021-22	2022-23
<b>क) आय</b>	<b>59,291</b>	<b>59,144</b>	<b>75,411</b>	<b>-0.2</b>	<b>27.5</b>
क) ब्याज आय	57,597	57,665	73,982	0.1	28.3
बी) गैर-ब्याज आय	1,694	1,479	1,429	-12.7	-3.4
<b>बी) व्यय</b>	<b>42,913</b>	<b>43,674</b>	<b>56,679</b>	<b>1.8</b>	<b>29.8</b>
क) ब्याज व्यय	39,829	40,281	53,353	1.1	32.5
बी) परिचालन व्यय	3,084	3,393	3,326	10.0	-2.0
जिसमें से,					
वेतन बिल	2,203	2,269	1,997	3.0	-12.0
<b>सी) के लिए प्रावधान</b>	<b>2,410</b>	<b>4,064</b>	<b>3,230</b>	<b>68.7</b>	<b>-20.5</b>
आकस्मिक व्यय	6,334	1,589	2,935	-74.9	84.7
<b>डी) लाभ</b>					
परिचालन लाभ (पीबीटी)	16,378	15,471	18,732	-5.5	21.1
निवल लाभ (पीएटी)	7,635	9,817	12,568	28.6	28.0

टिप्पणी: आँकड़े अनंतिम हैं।

स्रोत: संबंधित वित्तीय संस्थाएं।

अनुपात शून्य दर्ज किया। एक्विजम बैंक के अलावा, एआईएफआई की लगभग सभी आस्तियां मानक आस्तियां थीं, जिसकी वजह से मानक आस्तियों का अनुपात कुल अग्रिमों का 96 प्रतिशत रहा (चार्ट VI.37)।

VI.58 रिजर्व बैंक ने एआईएफआई के विवेकपूर्ण विनियमन के लिए मास्टर निदेश जारी कर बेसल III पूंजी फ्रेमवर्क उनपर

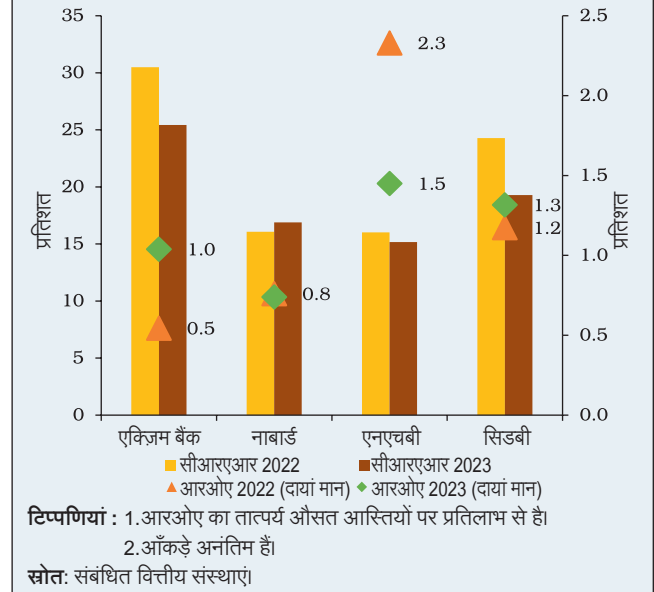
**सारणी VI.17: एआईएफआई के चुनिंदा वित्तीय मानदंड**

	औसत कार्यशील पूंजी के प्रतिशत के रूप में						निवल लाभ प्रति कर्मचारी (₹ करोड़)	
	ब्याज आय		गैर-ब्याज आय		परिचालनगत लाभ		2022	2023
	2022	2023	2022	2023	2022	2023		
1	2	3	4	5	6	7	8	9
एक्विजम बैंक	6.3	7.8	0.3	0.4	2.5	2.6	2.2	4.3
नाबार्ड	5.5	5.4	0.0	0.0	1.2	1.0	1.6	1.7
एनएचबी	5.1	5.6	0.6	0.2	1.9	2.0	11.9	6.3
सिडबी	4.3	5.4	0.2	0.2	1.3	1.6	2.0	3.2
नैबफिड	-	5.3	-	0.0	-	5.2	-	23.3

टिप्पणी : आँकड़े अनंतिम हैं।

स्रोत: संबंधित वित्तीय संस्थाएं।

**चार्ट VI.36: एआईएफआई के चुनिंदा वित्तीय मानदंड**

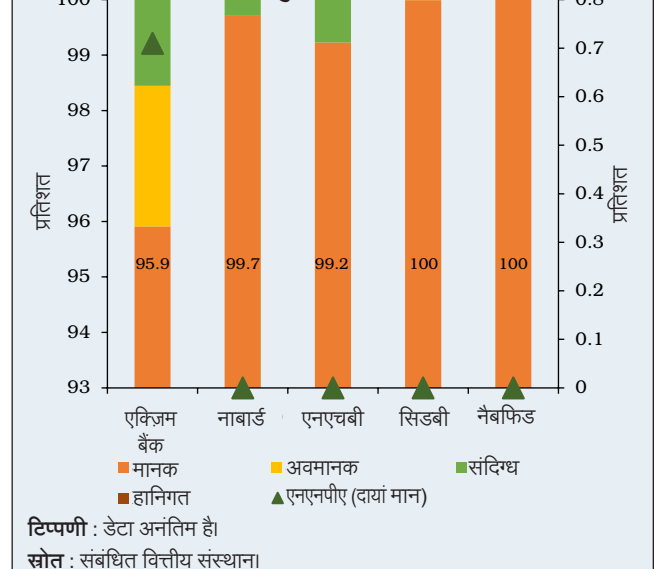


टिप्पणियां : 1. आरओए का तात्पर्य औसत आस्तियों पर प्रतिलाभ से है।  
2. आँकड़े अनंतिम हैं।

स्रोत: संबंधित वित्तीय संस्थाएं।

लागू कर दिया है। ये निदेश जोखिम मानदंडों, महत्वपूर्ण निवेशों, वर्गीकरण, निवेश पोर्टफोलियो मानदंडों के मूल्यांकन और परिचालन तथा संसाधन जुटाने के मानदंडों को समेकित और संशोधित भी करते हैं। ये निदेश सितंबर 2023 में जारी किए गए थे और 1 अप्रैल 2024 से लागू होंगे।

**चार्ट VI.37: एआईएफआई का परिसंपत्ति वर्गीकरण और एनएनपीए अनुपात (मार्च 2023 के अंत में)**



टिप्पणी : डेटा अनंतिम है।

स्रोत: संबंधित वित्तीय संस्थान।

#### 4. प्राथमिक व्यापारी

VI.59 31 मार्च 2023 तक, 21 प्राथमिक व्यापारी (पीडी) थे - जिनमें से 14 विभागीय तौर पर बैंक पीडी के रूप में और 7 एकल पीडी (एसपीडी) के रूप में कार्यरत थे, ये आरबीआई अधिनियम, 1934 की धारा 45 आईए के तहत एनबीएफसी के रूप में पंजीकृत हैं।

##### 4.1 पीडी का परिचालन और प्रदर्शन

VI.60 पीडी को सरकारी दिनांकित प्रतिभूतियों के निर्गमन में हामीदारी देने और प्राथमिक नीलामियों में भाग लेने हेतु अधिदेशित किया गया है। उनको टी-बिल और कैश मैनेजमेंट बिल (सीएमबी) की प्राथमिक नीलामी में न्यूनतम 40 प्रतिशत का सफलता अनुपात (बोली प्रतिबद्धताओं के अनुपात के रूप में स्वीकार की गई बोलियाँ) हासिल करने हेतु भी अधिदेशित किया गया है। जिसका मूल्यांकन अर्ध-वार्षिक आधार पर किया जाता है। वर्ष 2022-23 में, सभी पीडी ने अपनी न्यूनतम बोली प्रतिबद्धताएं हासिल कीं और वर्ष के दौरान जारी किए गए टी-बिल की कुल मात्रा का 68.9 प्रतिशत सब्सक्राइब किया, जबकि पिछले वर्ष में 76.9 प्रतिशत हासिल किया गया था। वर्ष 2023-24 (सितंबर 2023 तक) में, टी-बिल के कुल आबंटन में पीडी की हिस्सेदारी 67.9 प्रतिशत थी। दिनांकित प्रतिभूतियों के प्राथमिक निर्गमन के आबंटन में पीडी की हिस्सेदारी पिछले वर्ष के 47.3 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 56.6 प्रतिशत हो गई। इसके अतिरिक्त यह वर्ष 2023-24 की पहली छमाही में अधिसूचित राशि का 60.9 प्रतिशत तक और बढ़ गया (सारणी VI.18)।

VI.61 वर्ष 2022-23 के दौरान ₹ 23,053 करोड़ की राशि के आठ मामलों में पीडी पर आंशिक हस्तांतरण हुआ, जबकि वर्ष 2021-22 के 17 मामलों में ₹ 97,938 करोड़ की राशि का हस्तांतरण हुआ। वर्ष 2023-24 (30 सितंबर 2023 तक) में कोई हस्तांतरण नहीं हुआ है। वर्ष 2022-23 के दौरान पीडी (जीएसटी को छोड़कर) को भुगतान किया जाने वाला हामीदारी आढ़त पिछले वर्ष के ₹412.7 करोड़ से गिरकर ₹91.1 करोड़ हो गया; यह वर्ष 2023-24 की पहली छमाही में ₹23.8 करोड़ था। हामीदारी आढ़त की औसत दर वर्ष 2021-22 में ₹3.89 पैसे/₹100 से घटकर वर्ष 2022-23 में ₹0.76 पैसे और वर्ष

#### सारणी VI.18: प्राथमिक बाजार में पीडी का कार्यनिष्पादन

(राशि ₹ करोड़ में)

मदें	2020-21	2021-22	2022-23	एच1: 2023-24
1	2	3	4	5
<b>ट्रेजरी बिल और सीएमबी</b>				
(ए) बोली प्रतिबद्धता	17,35,783	15,37,735	16,27,045	8,33,560
(बी) प्रस्तुत वास्तविक बोलियाँ	49,05,302	37,21,906	36,47,564	18,21,010
(सी) बोलियाँ स्वीकृत	10,24,732	9,59,380	9,74,028	4,94,558
(डी) सफलता अनुपात (सी) / (ए) (प्रतिशत में)	59.0	62.4	59.9	59.3
(ई) कुल आबंटन में पीडी का हिस्सा (प्रतिशत में)	68.9	76.9	68.9	67.9
<b>केंद्र सरकार दिनांकित प्रतिभूतियाँ</b>				
(च) अधिसूचित राशि	12,85,000	10,80,000	14,37,000	8,88,000
(जी) प्रस्तुत की गई वास्तविक बोलियाँ	24,54,253	22,22,924	25,55,668	16,71,715
(ज) पीडी की स्वीकृत बोलियाँ	6,80,763	5,33,201	8,03,600	5,40,804
(i) पीडी का हिस्सा (एच)/(एफ) (प्रतिशत में) *	49.7	47.3	56.6	60.9

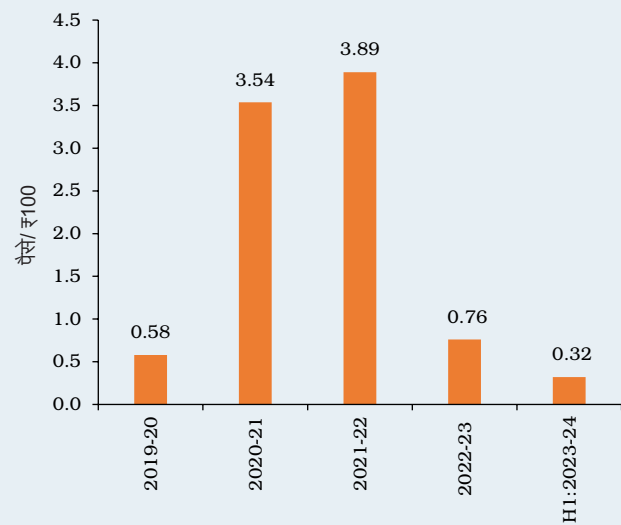
\*कुल जारी राशि के संबंध में गणना की गई।

स्रोत: पीडी द्वारा प्रस्तुत विवरणियाँ।

2023-24 में ₹0.32 पैसे हो गई (सितंबर 2023 तक) (चार्ट VI.38)।

VI.62 वर्ष के दौरान द्वितीयक बाजार में प्राथमिक व्यापारियों द्वारा प्राप्त किए जाने वाले न्यूनतम कारोबार पर दिशानिर्देशों की

चार्ट VI 38: पीडी के हामीदारी आढ़त की औसत दर



स्रोत: पीडी द्वारा प्रस्तुत विवरणियाँ।

समीक्षा की गई। 01 अप्रैल 2022 से कारोबार लक्ष्य को समग्र आधार पर जी-सेक और टी-बिल में पिछले 3 वर्षों के समग्र एकमुश्त बाजार कारोबार के औसत के एक निर्दिष्ट प्रतिशत के रूप में तय किया गया है। वर्ष 2022-23 के लिए लक्ष्य एक फीसदी तय किया गया था। सभी पीडी ने व्यक्तिगत रूप से न्यूनतम निर्धारित वार्षिक कारोबार अनुपात हासिल किया। 2023-24 के लिए लक्ष्य 1.5 फीसदी तय किया गया है।

#### 4.2 एकल पीडी का प्रदर्शन

VI.63 एसपीडी का कारोबार एकमुश्त और रेपो दोनों खंडों में बढ़ा, जिसके परिणामस्वरूप द्वितीयक बाजार कारोबार में उनकी कुल हिस्सेदारी में वृद्धि हुई (सारणी VI.19)।

#### 4.3 एसपीडी की निधियों के स्रोत और अनुप्रयोग

VI.64 एसपीडी द्वारा जुटाई गई धनराशियों वर्ष 2022-23 में साल-दर-साल आधार पर 44.4 प्रतिशत बढ़ी। उधारियां उनके निधीयन का प्रमुख स्रोत रहीं जो फंड के कुल स्रोतों का 90.3 प्रतिशत है। इस अवधि के दौरान जमानती और गैर-जमानती दोनों प्रकार के ऋणों में वृद्धि हुई। एसपीडी की आस्तियों का

#### सारणी VI.19: जी-सेक द्वितीयक बाजार में एसपीडी का प्रदर्शन

(राशि ₹ करोड़ में)

मर्दे	2020-21	2021-22	2022-23	एच1:2023-24
1	2	3	4	5
<b>एकमुश्त</b>				
एसपीडी कारोबार	24,71,523	25,91,788	36,02,796	28,30,564
बाजार कारोबार	1,00,32,187	87,98,428	1,01,21,207	72,53,900
एसपीडी का हिस्सा (प्रतिशत)	24.6	29.5	35.6	39.0
<b>रेपो</b>				
एसपीडी कारोबार	90,75,360	95,60,700	1,32,57,623	97,02,961
बाजार कारोबार	2,27,70,547	2,55,25,641	3,40,48,195	2,01,24,528
एसपीडी का हिस्सा (प्रतिशत)	39.9	37.5	38.9	48.2
<b>कुल (एकमुश्त + रेपो)</b>				
एसपीडी कुल कारोबार	1,15,46,883	1,21,52,488	1,68,60,419	1,25,33,525
बाजार कारोबार	3,28,02,734	3,43,24,069	4,41,69,402	2,73,78,427
एसपीडी का हिस्सा (प्रतिशत)	35.2	35.4	38.2	45.8

**टिप्पणी:** बाजार सहभागियों / एकल पीडी के लिए कुल कारोबार में एकमुश्त और रेपो प्रथम चरण के निपटान की मात्रा शामिल है।

**स्रोत:** भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड।

सबसे बड़ा हिस्सा चालू आस्तियों के रूप में था जो समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 46.3 प्रतिशत बढ़ गया (सारणी VI.20)।

#### सारणी VI.20: एसपीडी की निधियों के स्रोत और उपयोग

(राशि ₹ करोड़ में)

मर्दे	2020-21	2021-22	2022-23	एच1:2023-24	2021-22 की तुलना में 2022-23 में प्रतिशत घट-बढ़
1	2	3	4	5	6
<b>निधियों का स्रोत</b>	<b>71,986</b>	<b>86,669</b>	<b>1,25,158</b>	<b>1,22,800</b>	<b>44.4</b>
1. पूंजी	1,849	1,849	2,368	2368	28.0
2. रिजर्व और अधिशेष	7,011	7,425	9,716	10443	30.9
3. ऋण (ए+बी)*	63,127	77,394	1,13,074	1,09,990	46.1
(ए) प्रत्याभूत	50,374	61,188	96,432	88524.36	57.6
(बी) अप्रत्याभूत	12,752	16,207	16,643	21465.30	2.7
<b>निधियों का उपयोग</b>	<b>71,986</b>	<b>86,669</b>	<b>1,25,158</b>	<b>1,22,800</b>	<b>44.4</b>
1. अचल आस्तियां	44	71	91	111.05	29.1
2. एचटीएम निवेश (ए+बी)	154	2,870	6,273	6086	118.5
(ए) सरकारी प्रतिभूतियाँ	0	2,688	6,082	5895	126.3
(बी) अन्य	154	182	191	191	4.7
3. चालू आस्तियां	72,389	80,841	1,18,283	112,198.51	46.3
4. ऋण और अग्रिम	1986	7,048	4,935	11071.13	-29.9
5. चालू देयताएं	2,616	4,118	4,367	6516.92	6.06
6. आस्थगित कर	33	-35	-50	-141.73	43.7

**टिप्पणी:** \*एसपीडी की बकाया उधारी।

**स्रोत:** एसपीडी द्वारा प्रस्तुत विवरणियां।

**सारणी VI.21: एसपीडी का वित्तीय प्रदर्शन**

(राशि ₹ करोड़ में)

मर्दाने	2020-21	2021-22	2022-23	एच1: 2023-24	2022-23 का 2021-22 पर घट बढ़	
					राशि	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7
<b>ए. आय ( i से iii)</b>	<b>5,386</b>	<b>4,002</b>	<b>5,379</b>	<b>4,901</b>	<b>1,377</b>	<b>34.4</b>
(i) ब्याज और बढ़ा	4,173	4,139	5,816	4451	1,677	40.5
(ii) कारोबारी लाभ	1,008	-244	-497	429	-254	104.1
(iii) अन्य आय	205	107	61	21	-46	-43.2
<b>बी. व्यय ( i से ii)</b>	<b>2,493</b>	<b>2,622</b>	<b>5,070</b>	<b>4067</b>	<b>2,448</b>	<b>93.4</b>
(i) ब्याज	2,130	2,238	4,664	3822	2,425	108.4
(ii) स्थापना और प्रशासनिक लागत सहित अन्य व्यय	364	384	407	245	23	6.0
सी. कर पूर्व लाभ	<b>2,582</b>	<b>1,253</b>	<b>476</b>	<b>1082</b>	<b>-777</b>	<b>-62.0</b>
<b>D. कर पश्चात लाभ</b>	<b>1,938</b>	<b>937</b>	<b>333</b>	<b>800</b>	<b>-604</b>	<b>-64.4</b>

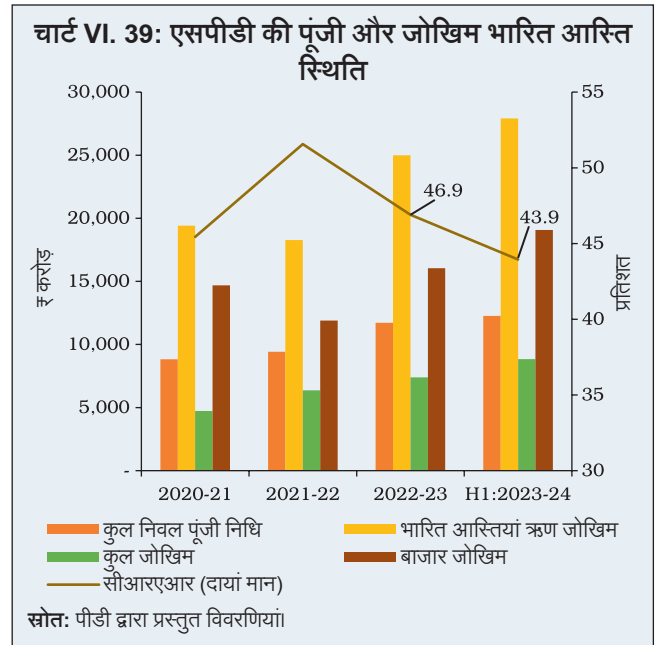
टिप्पणी: पूर्णांकन के कारण आंकड़े जोड़े नहीं जा सकते।

स्रोत: पीडी द्वारा प्रस्तुत विवरणियां।

**4.4 एसपीडी का वित्तीय प्रदर्शन**

VI.65 कम व्यापारिक लाभ और ब्याज व्यय में वृद्धि के कारण वर्ष 2022-23 में एसपीडी का कर पश्चात लाभ कम हो गया (सारणी VI.21)। परिणामस्वरूप, वर्ष के दौरान एसपीडी का निवल मालियत पर प्रतिलाभ गिर गया। हालाँकि, कर के बाद उनका लाभ और निवल मूल्य पर प्रतिलाभ, वर्ष 2023-24 की पहली छमाही में बढ़ गया (सारणी VI.22 और परिशिष्ट सारणी VI.8)।

VI.66 सभी एसपीडी के लिए संयुक्त सीआरएआर अनिवार्य 15 प्रतिशत से ऊपर रहा, हालांकि उनकी निवल पूंजी निधि की तुलना में उनकी जोखिम भारित आस्तियों में वृद्धि के कारण वर्ष 2022-23 में इसमें थोड़ी गिरावट आई (चार्ट VI.39 और परिशिष्ट सारणी VI)।



**सारणी VI.22: एसपीडी के वित्तीय संकेतक**

(राशि ₹ करोड़ में)

संकेतक	2020-21	2021-22	2022-23	एच1:2023-24
1	2	3	4	5
(i) निवल लाभ	1,276	1,938	333	800
(ii) औसत आस्तियां	69,631	77,357	1,01,641	1,37,851
(iii) औसत आस्तियों पर प्रतिलाभ (प्रतिशत)	1.9	2.6	0.2	0.50
(iv) निवल मालियत पर प्रतिलाभ (प्रतिशत)	21.3	26.0	3.5	6.4
(v) आय लागत अनुपात (प्रतिशत)	21.0	11.2	56.8	22.7

स्रोत: पीडी द्वारा प्रस्तुत विवरणियां।

**5. समग्र मूल्यांकन**

VI.67 पिछले कुछ वर्षों में, एनबीएफसी ने बैंक रहित और कम सेवा वाले क्षेत्रों में ऋण और वित्तीय उत्पाद पहुंचाकर भारतीय वित्तीय क्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत की है। एनबीएफसी लगातार अपने एमएसएमई पोर्टफोलियो का विस्तार कर रहे हैं, जिससे क्षेत्र की ऋण आवश्यकताओं पर अधिक सक्रिय रूप से ध्यान दिया जा रहा है और समग्र वित्तीय समावेशन और आर्थिक विकास में योगदान दिया जा रहा है। एनबीएफसी की दोहरे अंकों की ऋण

वृद्धि गैर-जमानती ऋणों द्वारा संचालित हुई, जो जमानती ऋणों की तुलना में दोगुने से भी अधिक तेजी से बढ़ी। इस संबंध में, रिज़र्व बैंक ने, एक समावेशी और लक्षित मैक्रोप्रूडेंशियल उपाय के भाग के रूप में, एनबीएफसी द्वारा चुनिंदा खुदरा ऋणों और एससीबी के एनबीएफसी को दिए गए ऋण पर जोखिम भार बढ़ा दिया है, ये प्राथमिक स्वरूप के हैं और समग्र संवहनीयता के हित में हैं। एनबीएफसी विनियामकीय आवश्यकता से कहीं अधिक सीआरएआर के साथ अच्छी तरह से पूंजीकृत हैं। एसबीआर के कार्यान्वयन के साथ, एनबीएफसी के प्रशासन और आंतरिक लेखापरीक्षा मानकों को और बढ़ाने की आवश्यकता है।

VI.68 वर्ष 2022-23 में एचएफसी के क्रेडिट में तेजी आई, जिसका मुख्य कारण महामारी के बाद घर के स्वामित्व के लिए प्राथमिकता में बदलाव था। एआईएफआई ने ऋण और अग्रिम में मजबूत वृद्धि दर्ज की। सरकारी उधार कार्यक्रम को सुचारू रूप से पूरा करने को सुनिश्चित करने के रिज़र्व बैंक के प्रयास के अनुरूप, वर्ष 2022-23 में सभी पीडी ने अपनी न्यूनतम बोली प्रतिबद्धताओं से अधिक हासिल किया और व्यक्तिगत रूप से न्यूनतम अनुमानित वार्षिक माध्यमिक बाजार कारोबार अनुपात हासिल किया।